दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 52 | ग्वालियर,31 दिसम्बर रविवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

पक्का घर सिर्फ रामलला को नहीं मिला, बल्कि..., अयोध्या में बोले पीएम मोदी

अयोध्या के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां शनिवार (30 दिसंबर) को 8 किमी लंबा रोड शो किया. इसके बाद पीएम ने यहां अयोध्या स्टेशन का लोकार्पण किया और फिर वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई. लोकार्पण के बाद पीएम मोदी ने जनता को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि पिछले 9 साल में भारत में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है.पीएम ने कहा कि राममय अयोध्या धाम में आज विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है. प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है. ऐसे में अयोध्यावासियों में ये उत्साह और उमंग स्वाभाविक है.

4 करोड़ गरीब लोगों को मिला पक्का घर- प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब इसी अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे. अब उनको पक्का घर मिल गया है. पक्का घर सिर्फ रामलला को नहीं देश के 4 करोड़ गरीब को भी मिला है. आज हम लोग हर घर में पानी पहुंचा रहे हैं. हर घर में जल पहुंचाने के लिए

पानी की 2 लाख से ज्यादा टंकियां भी बनवाई गई हैं.

घरों में श्रीराम ज्योति जलाएं-राम मंदिर के निर्माण को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि ये ऐतिहासिक क्षण बहुत भाग्य से हम सभी के जीवन में आया है. इसके लिए आप सभी 140 करोड़ देशवासी 22 जनवरी को अपने घरों में श्रीराम ज्योति जलाएं और दीपावली मनाएं.

22 जनवरी को अयोध्या न आएं- इस दौरान पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि वह 22 जनवरी को अयोध्या न आएं. उन्होंने कहा, ÷हर किसी की इच्छा है कि 22 जनवरी के आयोजन का हिस्सा बनने के लिए वह स्वयं अयोध्या आए, लेकिन हर किसी का आना संभव नहीं है. इसलिए सभी रामभक्तों से मेरा आग्रह है कि 22 जनवरी को एक बार विधिपूर्वक कार्यक्रम हो जाने के बाद, अपनी सुविधा के अनुसार वह अयोध्या आएं और 22 जनवरी को यहां आने का मन न बनाएं.÷

15 से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेज बने- पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम चांद ,सूरज और समुद्र की गहराई को नाप रहे हैं. आज का भारत अपने तीर्थों को संवार रहा है, वहीं, डिजिटल टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी छाया हुआ है. आज देश में सिर्फ केदार धाम का पुनरुद्धार ही नहीं हुआ है, बल्कि 315 से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेज भी बने हैं.

अयोध्या को स्मार्ट बना रही है सरकार- अयोध्या में लोकार्पण और शिलान्यास परियोजनाओं को लेकर पीएम ने कहा, ÷आज मुझे अयोध्या धाम एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है. मुझे खुशी है कि अयोध्या एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है. यहां श्रीराम का भव्य मंदिर बनने के बाद यहां आने वाले लोगों की संख्या में बहुत बड़ी वृद्धि होगी. इसे ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार अयोध्या में हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्य करा रही है, अयोध्या को स्मार्ट बना रही है.÷

संक्षिप्त समाचार

19 महीनों में 29 फीसदी सस्ता हुआ कच्चा तेल! प्रियंका गांधी बोलीं- महंगाई का बोझ जनता पर

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने शनिवार (30 दिसंबर) को महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता सिर्फ चंद अरबपतियों की जेब भरना है. इस दौरान उन्होंने तेल कंपनियों पर मोटा मुनाफा कमाने का आरोप भी लगायासोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रियंका ने कहा, ÷अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 19 महीने में 29 फीसदी सस्ता हुआ है. इस दौरान तेल कंपनियों ने छह महीने में 1.32 लाख करोड़ मुनाफा कमाया. उनकी इस अकूत कमाई का बोझ देश की जनता पर डाला जा रहा है.÷

देश में महंगाई चरम पर- उन्होंने कहा, ÷पेट्रोल और डीजल की ऊंची कीमतों के कारण देश में महंगाई चरम पर है. गरीब और मध्यवर्गीय लोग अपना परिवार नहीं चला पा रहे हैं, लेकिन जनता को कोई राहत नहीं मिली.÷ सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता सिर्फ चंद अरबपतियों की जेब भरने की है.

कांग्रेस ने संगठन में की फेरबदल- प्रियंका गांधी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में हार के बाद पार्टी ने अपने संगठन में फेरबदल किया और उन्हें उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के एआईसीसी प्रभारी पद से मुक्त कर दिया था. उनकी जगह अविनाश पांडेय को ये जिम्मेदारी दी गई है.

जय श्रीराम, अयोध्या के लिए पहली फ्लाइट ने भरी उड़ान को पायलट ने कुछ ऐसे किया यात्रियों का स्वागत

अयोध्या के नवनिर्मित महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन शनिवार (30 जनवरी) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किए जाने के तुरंत बाद धर्म नगरी के लिए दिल्ली से पहली फ्लाइट ने उड़ान भरी. इस विशेष अवसर पर इंडिगो की फ्लाइट के पायलट कैप्टन आशुतोष शेखर ने जय श्रीराम बोलकर यात्रियों का स्वागत किया. न्यूज एजेंसी एएनआई ने इसका वीडियो शेयर किया है, जिसमें पायलट यात्रियों को संबोधित करते हुए दिख रहे हैं.पायलट कैप्टन आशुतोष शेखर ने यात्रियों से कहा, ये मेरे लिए बड़ा सौभाग्य का विषय है कि आज मेरे संस्थान इंडिगो ने मुझे इस योग्य समझा कि इस महत्पूर्ण फ्लाइट की कमांड मुझे दी गई... ये बड़े ही हर्ष का विषय है हमारे संस्थान के लिए और हम लोगों के लिए जो इस विमान के कर्मी दल हैं. उम्मीद करते हैं कि आपकी यात्रा हमारे से साथ सुखद और मंगलमयी होगी... जय श्रीराम. इस पर यात्रियों ने जय श्रीराम कहा.

यात्रियों ने फ्लाइट में किया हनुमान चालीसा का पाठ- एएनआई की ओर से शेयर किए गए एक और वीडियो में अयोध्या धाम की यात्रा के दौरान फ्लाइट में लोग हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए नजर आ रहे हैं. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि फ्लाइट जैसे ही रनवे पर टेकऑफ के लिए चलती है तो यात्रियों के जय श्रीराम के नारे गूंजने लगते हैं.

यात्रियों ने साझा किया अपना अनुभव- 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होनी है, जिसे लेकर रामभक्तों में काफी खुशी है. कई राम भक्त अयोध्या की यात्रा कर रहे हैं. अयोध्या के लिए पहली फ्लाइट से यात्रा करने वाले कुछ यात्रियों ने अपना अनुभव शेयर किया. एएनआई के मुताबिक, राजस्थान के एक यात्री ने कहा, हम अयोध्या जाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं और अपने बच्चों को भी साथ लाए हैं. हम अयोध्या में राम लला के दर्शन करने जा रहे हैं, उनका आशीर्वाद लेंगे

कर्नाटक के एक अन्य यात्री ने अयोध्या के लिए पहली उड़ान में शामिल होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया. पहली उड़ान में यात्रा कर रहे जैन समुदाय के बड़े समूह में शामिल जैन पीठाधीश रवींद्र कीर्ति स्वामी ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया.

जैन समुदाय की एक अन्य यात्री ने कहा कि यह एक सपना सच होने जैसा है. उन्होंने कहा, भव्य राम मंदिर पूरा होने वाला है. यह लंबे समय से एक सपना था. अब यह वास्तविकता बनने के करीब ह

मंत्री पद संभालने के बाद सख्त हुए कैलाश विजयवर्गीय, अधिकारियों को लिया निशाने पर, बोले- योजनाओं का बंटाधार...

अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एक बार फिर से अधिकारियों को अपने निशाने पर लेते नजर आए हैं. शुक्रवार (29 दिसंबर) को इंदौर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में कैलाश विजयवर्गी कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए. कार्यकर्ताओं से चर्चा के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने तमाम बातें कहीं लेकिन उनका अधिकारियों पर निशाना साफ तौर पर नजर आया. कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि अगर कार्यकर्ता अधिकारियों के भरोसे रहते हैं, तो योजना का बंटाधार हो जाता है. कैलाश विजयवर्गी के कहने का मतलब था कि अधिकारी सरकार की योजनाओं को ठीक से क्रियान्वित नहीं करते हैं यानी अधिकारी योजनाओं को लेकर लापरवाही करते हैं.साथ ही उन पर गंभीरता से काम नहीं करते हैं. विजयवर्गीय ने आगे कहा मुझे गर्व हो रहा है

यह कहते हुए कि अभी मैं एक नंबर विधानसभा के कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहा था, जहां कार्यकर्ताओं ने मुझसे कहा कि आजकल अधिकारियों का रवैया बदल गया है. मैंने पूछा क्यों, तो कार्यकर्ताओं ने कहा कि आजकल नमस्ते करने लगे हैं और चाय भी पिला रहे हैं. मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को धन्यवाद देता हूं कि गुना की घटना होने के बाद प्राथमिक तौर पर लापरवाही और दोष पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की गई. सरकार ऐसे ही चलती है जिस तरह चल मोहन यादव ने शुरुआत की है.कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आगे कहा कि जीत का श्रेय इंदौर की जनता को जाता है, जो वर्ग पहले हमें वोट नहीं देते थे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरीब कल्याण की योजनाओं के कारण उन वर्गों का भी हमें बढ़-चढ़कर वोट प्राप्त हुआ है. कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हमें जो सफलता विधानसभा चुनाव में मिली है, उसे हमें आगे भी कायम रखना है. अब सभी कार्यकर्ताओं के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी आई है, जब 9 की 9 विधानसभा की जनता ने हमें जीताया है, तो इंदौर की जनता को हमसे बड़ी उम्मीद है.

हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई जा रही गरीब कल्याण की योजनाओं को विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सभी हितग्राहियों तक पहुंचाने का कार्य करना है और यह ध्यान रखना है कि इंदौर में कोई भी गरीब ऐसा ना हो जिसे योजना का लाभ न मिले. हमें घर-घर जाकर योजनाओं का प्रचार प्रसार करना है.विजयवर्गीय ने कहा कि सरकार बनते ही मुख्यमंत्री एक्शन ले रहे हैं. उन्होंने कहा कि अब हमें इंदौर को स्वच्छता के साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा में भी नंबर वन बनाना है और इंदौर को एजुकेशन, मेडिकल हब बनाना है. इसके साथ ही तेजी से बढ़ रहे नशे को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए सरकार द्वारा कड़े कदम भी उठाए जाने हैं.

एमएलए को बुलाया 3 बजे और बैठक हो गई डे? बजे, मीटिंग पहले करने पर अधिकारियों पर बिफरे बीजेपी विधायक

मध्य प्रदेश के जबलपुर संभाग के डॉक्टर मोहन यादव की नई सरकार की पहली बैठक में बीजेपी के पूर्व मंत्री और सीनियर एमएलए अजय विश्नोई बिफर गए. उन्होंने न केवल बैठक के समय को लेकर आपत्ति की बल्कि जबलपुर जिले में धान खरीदी में घोटाले के लिए भी अधिकारियों को जमकर घेरा. अजय विश्नोई ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार बहनों को लखपति बनाने का संकल्प लेकर चल रही है, लेकिन जबलपुर जिले में उन्हें षड्यंत्र पूर्वक धान खरीदी के काम से बाहर कर दिया गया.यहां बताते चले कि मध्य प्रदेश में बीजेपी सरकार के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने प्रशासनिक कसावट के लिए संभागीय लेवल पर मॉनिटरिंग की व्यवस्था शुरू की है.इसके लिए राज्य के सभी संभागों में एसीएस और एडीजी स्तर के अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है.इन अधिकारियों को संभाग में जाकर मंत्रियों, सांसदों, विधायकों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्य और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करनी है. इसी क्रम में आज शुक्रवार (28 दिसम्बर) को जबलपुर में प्रभारी एसीएस विनोद कुमार और एडीजी चंचल शेखर ने बैठक बुलाई थी, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर विवाद हो गया. पूर्व मंत्री और सीनियर एमएलए अजय विश्नोई इसे लेकर बिफर गए.दरअसल, विधायक अजय विश्नोई को बैठक का समय दोपहर 3:00 बजे का दिया गया, लेकिन बैठक 1:30 बजे ही शुरू हो गई थी. इसे लेकर अजय विश्नोई ने नाराजगी जाहिर की. इसके साथ ही विश्नोई ने जबलपुर में धान खरीदी में धांधली को लेकर यह तक कह दिया कि ÷सारा माजरा देखकर वे दुखी हैं.

इछावर विधानसभा पहुंचे कैबिनेट मंत्री करण सिंह वर्मा, विकास को लेकर किया बड़ा वादा, अधिकारियों को दी चेतावनी

कैबिनेट मिनिस्टर बनने के बाद करण सिंह वर्मा ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है. मंत्री बनने के बाद स्वागत समारोह में इछावर विधानसभा पहुंचे करण सिंह वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि ना खाऊंगा ना ही खाने दूंगा. मैं अपने घर से टिफिन लेकर जाता हूं और वही खाता हूं. मंत्री करण सिंह वर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कोई गड़बड़ी हो तो बता देना. मंत्री करण सिंह वर्मा ने कांग्रेस नेताओं से अपील करते हुए कहा कि विकास में यदि कोई कमी नजर आए तो जरूर बताना. कैबिनेट मिनिस्टर बनने के बाद करण सिंह वर्मा अपने विधानसभा क्षेत्र इछावर पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री वर्मा ने विश्वास दिलाया कि इछावर के विकास में कमी नहीं आने दी जाएगी. गली-गली में कंक्रीट होगा.अस्पताल में बेहतर सुविधाएं मिलेंगी. स्कूल व्यवस्थित होंगे. हम कांग्रेस के लोगों के साथ हैं, हम किसी का बुरा नहीं करेंगे, बल्कि उनसे पूछेंगे कि कोई कमी हो तो बताओ. वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर गरीब और किसान के लिए रोटी-कपड़ा-मकान और दवा की व्यवस्था की है. रोटी के लिए राशन दुकान से फ्री अनाज, मकान के पैसा, आयुष्मान योजना में फ्री इलाज और कपड़े के किसानों को 12 हजार रुपए सम्मान निधि दी जाती है.कैबिनेट मिनिस्टर करण सिंह वर्मा ने मंत्री बनने की कहानी सुनाइ

कोचिंग से लौट रही थीं दो लड़कियां, ट्रायल ट्रेन की चपेट में आने से हुई मौत, रेल मंत्री ने दिए जांच के आदेश

मध्य प्रदेश के इंदौर में ट्रायल रन पर चल रही ट्रेन की चपेट में आने से दो लड़कियों की दर्दनाक मौत हो गई है. यह दोनों लड़कियां रेलवे ट्रैक पर चल रही थीं. लड़कियों को इस ट्रैक पर ट्रेन आने की उम्मीद नहीं थी. जानकारी के अनुसार रेलवे गुरुवार को ही इस ट्रैक पर ट्रेन का ट्रायल कर रहा था. ऐसे में ट्रैक पर मौजूद तीन लड़कियों में से एक लड़की बच गई, जबकि दो लड़कियां ट्रेन की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. मामले में केंद्रीय रेल मंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं.राज्य शासन के कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर के कैलोद हाला रेलवे ट्रैक पर हुई दुखद घटना पर शोक जताया है. उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए घटना में मृत लड़कियों के परिजनों को ढांढस बंधाया और कहा कि दु:ख की इस घ?ी में राज्य सरकार उनके साथ है. पीड़ित

परिवारों को नियमानुसार राहत राशि भी दी जाएगी. सिलावट ने घटना के संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जानकारी दी.तुलसीराम सिलावट की मांग पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रतलाम के डीआरएम को तुरंत ही जांच के निर्देश दिए हैं. सिलावट ने बताया कि गुरुवार शाम रेलवे ट्रैक पर हुई घटना में मृत दोनों लड़कियों के परिजनों से चर्चा की और उन्हें ढांढस बंधाते हुए कहा कि उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी. घटना में जिन दो लड़कियों की मौत हुई है उनकी पहचान 17 वर्षीय बबली और 17 वर्षीय राधिका के तौर पर हुई है.बता दें यह दोनों अचीवर कोचिंग क्लास से पढ़कर घर लौट रही थीं. वहीं जिस ट्रैक पर यह घटना हुई है वहां पर गुरुवार (28 दिसंबर) को पहली बार ट्रेन चली थी और ट्रेन का ट्रायल रन था. दोनों लड़कियां प्रेसीडेंसी स्कूल गहलोत काकड़ में कक्षा 10 में पढ़ती थीं. रेलवे ट्रैक क्रॉस करते समय एक लड़की साधना दोनों से आगे थी. उसके पीछे बबली और राधिका थी. यह घटना गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे की है. देवास की ओर एक ट्रायल ट्रेन नए ट्रैक से निकली थी, जिसकी चपेट में आने से राधिका और बबली की मौत हो गई. दोनों लड़कियों को नए ट्रैक पर ट्रेन के आने की जानकारी नहीं थी

लड़कियां जान देने की धमकी देती हैं, अब जल्द ही..., शादी को लेकर धीरेंद्र शास्त्री का बड़ा बयान

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अक्सर चर्चाओं में रहते हैं. देश और विदेश में फैले भक्त हमेशा पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बारे में जानने के उत्सुक रहते हैं. वहीं अब बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक बड़ा एलान किया है. धीरेंद्र शास्त्री ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वह जल्दी ही शादी करेंगे.इससे पहले बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दावा किया था कि पत्र लिखकर लड़कियां धमकी दे रही हैं. उन्होंने कहा, ÷पत्र के माध्यम से लड़कियां कह रही हैं कि अगर आप बारात लेकर नहीं आए तो वह आत्महत्या कर लेंगी.÷ इसलिए उन्होंने एक वीडियो जारी किया कि ÷लड़कियां ऐसे कृत्य

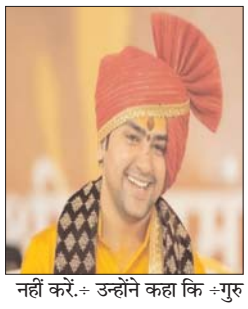

नहीं करें.÷ उन्होंने कहा कि ÷गुरु और माता-पिता की आज्ञा मिलते ही हम शादी कर लेंगे.÷

शिवरंजनी तिवारी ने क्या कहा- पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के एलान के बाद शिवरंजनी तिवारी नाम की युवती की चर्चा होने लगी. दरअसल, शिवरंजनी तिवारी का नाम पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ कथित रुप से जोड़ा जाने लगा था. वह अपने आपको एमबीबीएस की छात्रा बताती हैं.उनके एलान के बाद खुद शिवरंजनी तिवारी ने अपने ऑफिशियल फेसबुक पेज पर लाइव आकर बताया कि ÷शादी की तारीखों का जल्द एलान किया जाएगा.÷जल्द ही मिठाई खाने लिए बुलाया जाएगा- शिवरंजनी तिवारी ने कहा कि ÷पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के एलान के बाद मेरे पास कई लोगों के फोन आने लगे हैं और लोग पूछ रहे हैं कि मैं दुल्हन कब बनूंगी.÷ उनकी शादी किससे होगी, नाम जाहिर किए बगैर कहा कि ÷शादी कब होगी और दुल्हन कब बनूंगी, इसका एलान जल्दी ही किया जाएगा. अभी कुछ कार्य बचे हुए हैं, कार्य पूरा होते ही मेरे द्वारा खुद शादी की तारीख बता दिया जाएगा. आप सभी लोगों को जल्द ही मिठाई खाने के लिए बुलाया जाएगा.÷

जिले की बेटियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

गत दिनों मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी परिणामो में जिले की दो बेटियां सुश्री सलोनी अग्रवाल झिरन्या एवं श्रीमती रितिका पाटीदार कवि?या महेश्वर को 8वीं एवं 9वीं रैंक प्राप्त हुई है। उक्त परीक्षा में उत्कृष्ट रैंक बनने पर दोनों को डिप्टी कलेक्टर पद प्राप्त हुआ है।जिले को गौरवान्वित करने वाली इन बेटियों एवं उनके परिजनों का कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने आज 30 दिसम्बर को स्वागत एवं सम्मान किया है। पुष्प गुच्छ से सम्मान करने के बाद कलेक्टर श्री शर्मा ने दोनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप दोनों भाग्यशाली है। क्योंकि प्रधानमंत्री का सपना है कि 2047 देश को अमेरिका की तरह विकसित देश बनाना है, जिसके लिए विभिन्न योजनाएं लाई जा रही है। आपका सेवाकाल इसी अवधि में रहेगा जिसमें आपका योगदान महत्वपूर्ण होगा। साथ ही परिजनों को उनके सहयोग के लिए एवं प्रोत्साहित करने के लिए शुभकामनाएं प्रदान की।

विशेष अभियान चलाकर जाँचें यात्री व स्कूल बसों की फिटनेस : कलेक्टर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

यात्रियों व स्कूली बच्चों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता न हो सड़क सुरक्षा एवं यातायात को लेकर हुई अहम बैठकभिण्ड । विशेष अभियान चलाकर स्कूली वाहन एवं बसों सहित सभी प्रकार के यात्री वाहनों की फिटनेस,परमिट एवं सुरक्षा संबंधी सभी जाँचें बारीकी से करें। जिन यात्री व स्कूली वाहनों में सुरक्षा मानकों का ध्यान नहीं रखा जा रहा है, उन्हें बंद कराएँ। इस आशय के

निर्देश कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात को लेकर जिला स्तर पर आयोजित हुई अहम बैठक में दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यात्रियों व स्कूली बच्चों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता न हो।शनिवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में पुलिस अधीक्षक असित यादव, एएसपी संजीव पाठक, जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती स्वाति पाठक एवं जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव ने स्कूली वाहनों के परमिट सहित सभी दस्तावेजों की बारीकी से जांचकर सुरक्षा मानकों की पूर्ति कराने के निर्देश दिए। साथ ही परिवहन अधिकारी व यातायात पुलिस के अधिकारियों को हिदायत दी कि बिना फिटनेश, बिना परमिट एवं बिना बीमा के चल रहे वाहनों को सख्ती से रोकें। नियम विरुद्ध चल रहे वाहनों पर कार्रवाई में कोई ढिलाई न हो। उन्होंने कहा बसों में आपातकालीन द्वार, अग्निशमन यंत्र एवं प्राथमिक चिकित्सा के लिए फर्स्ट एड बॉक्स अनिवार्यतः होना चाहिए । जिला शिक्षा अधिकारी को कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के समस्त स्कूलों में बच्चे किस-किस माध्यम से आवागमन करते हैं, इसकी जानकारी निश्चित समयावधि में उपलब्ध करायें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला परिवहन अधिकारी ,यातायात पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारी द्वारा संयुक्त कार्यवाही की जाए, जिससे यात्रियों एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सुरक्षात्मक उपाय एवं गैस आपूर्ति के संबंध में गैस एजेन्सी के संचालकों के साथ बैठक सम्पन्न

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देशन में 29 दिसम्बर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री तरुणेन्द्र सिंह बघेल की अध्यक्षता में सुरक्षात्मक उपाय एवं गैस आपूर्ति के संबंध में जिले में संचालित गैस एजेन्सी के संचालकों की आवश्यक बैठक कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई सभागृह में आयोजित की गई थी। बैठक में एजेन्सी संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। गैस गोदाम पर फायर सिलेण्डर की पर्याप्त रूप से रखे जाने के निर्देश दिये गये। साथ ही अग्निशमन यंत्र के अतिरिक्त रेत की बाल्टियां भरी हुई पर्याप्त रखी जाने एवं एक डंपर रेत की वैकल्पिक व्यवस्था एजेन्सी के गोदाम परिसर में रखने के निर्देश दिये गये ताकि असमय अग्नि आदि घटनाओं से निपटा जा

सकें। सभी गैस एजेन्सी संचालकों को फायर बॉटल (अग्निशमन यंत्र) के उपयोग करने की ट्रेनिंग अपनी एजेन्सी लेबल पर गोदाम स्तर पर कार्य में लगे कर्मचारी को आवश्यक ट्रेनिंग कराई जाने हेतु निर्देशित किया गया। खण्डवा जिले में जो घटना घटीत है जिसे दृष्टिगत सभी एजेन्सी संचालकों कोई भी सिलेण्डर गोदाम में लिकेज ना हो ध्यान में रखा जावे तथा प्रबंधक या प्रोप्राईटर प्रतिदिन गोदाम में उक्त स्थिति निर्मित ना हो इससे पूर्व ही सावधानी रखी जावे तथा गैस गोदाम में सुरक्षात्मक दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिये गये। सेल्स ऑफिसर द्वारा बताया गया कि सभी गैस एजेन्सी संचालक अपने गोडाउन पर जितनी क्षमता है उतने ही सिलेण्डर रखे। गाडी से देने जाने पर सिलेण्डर के बिल उसी समय दे। साथ ही गावं में डिलेवरी आपूर्ति के लिये एजेन्सी पर एक रेकार्ड संधारित किया जाये तथा एक प्रति सिलेण्डर ले जाने संबंधित वाहन में भी रखी जाने के निर्देश दिये गये।

विश्व गुरु जी ने दिया मुख्यमंत्री को ? आश्रम के उद्घाटन का निमंत्रण

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

जयपुर। विश्व गुरु महामंडलेश्वर स्वामी महेश्वरानंद जी महाराज ने राजस्थान के पाली जिले के जाड़न में बन रहे दुनिया के आठवें अजूबे ? आकार के ? आश्रम के उद्घाटन का निमंत्रण राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी को दिया। विश्व गुरु जी ने इस निमंत्रण के साथ-साथ ब्राह्मी लिपि के राष्ट्रगान तथा सभी प्राचीन लिपियों में ? कार भी भेंट किया। इस अवसर पर विश्व गुरु दीप आश्रम शोध संस्थान के उपाध्यक्ष एवं संचालक महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी जी महाराज ने कहा कि शोध संस्थान भारत की प्राचीन लिपियों पर विगत कई वर्षों से निरंतर काम कर रहा है । संस्थान में लिपियों के पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं । सचिव कपिल अग्रवाल ने बताया कि जाड़न में बन रहा ? आश्रम दुनिया का आठवां अजूबा है । जिसका निर्माण पिछले 25 वर्षों से चल रहा था । अब ? आश्रम का उद्घाटन 10 फरवरी से 19 फरवरी तक होगा । इस आश्रम में माला की आकृति में 108 कमरे तथा 12 ज्योतिर्लिंग है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ब्राह्मी लिपि के राष्ट्रगान की भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्होंने ? आश्रम के उद्घाटन में सम्मिलित होने का आश्वासन दिया । विश्व गुरु जी के उत्तराधिकारी अवतार पुरी जी ने मुख्यमंत्री को ? आश्रम का प्रतीक चिन्ह भेंट किया ।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर कानून व सुरक्षा व्यवस्था के होंगे पुख्ता इंतजाम

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

म.प्र. शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 01 जनवरी 2024 को खरगोन में भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा व कानून व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र जारी कर दायित्व सौपे गए हैं। इनमें एम.पी.ई.बी. के मुख्य कार्यपालन यंत्री को कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए 01 जनवरी को बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से संचालन करने हेतु 02 शिफ्टों में दो-दो टीमें मय वाहन सी?ी के कंट्रोल रूम खरगोन पर उपलब्ध कराते हुए हेलीपेड, भ्रमण मार्ग में आने वाले एवं कार्यक्रम स्थल के आसपास यदि इलेक्ट्रीक पोल (खंबे) हो तो वहां लाल झण्डे लगवाना भी सुनिश्चित करेंगे। इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मुख्यमंत्री को सुरक्षा की दृष्टि से जेड प्लस श्रेणी प्राप्त है। मेडिकल स्टॉफ मय डॉक्टर तथा एम्बुलेंस वाहन तथा आवश्यक औषधी दवाईयों चिकित्सा सहित संबंधित स्थान पर 01 जनवरी को प्रातः 06.00 बजे तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। खरगोन नपा सीएमओ मुख्यमंत्री की कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए एक दिन पूर्व से खरगोन एवं कार्यक्रम स्थल के आसपास क्षेत्र में निरंतर टीम द्वारा साफ-सफाई एवं फायरब्रिगेड टीम मय 02 फायरब्रिगेड वाहन सहित संबंधित स्थान पर प्रातः 06.00 बजे तक संबंधित स्थान पर व्यवस्थाएं करते हुए, मार्ग व्यवस्था में, संबंधित कार्यक्रम स्थल के आस-पास एवं कस्बे में अवारा मवेशियों के विरुद्ध उचित कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। वहीं एन.व्ही.डी.ए. के कार्यपालन यंत्री मुख्यमंत्री की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था हेतु 02 क्रेन वाहन प्रातः 06.00 बजे तक संबंधित स्थान पर

सभापुर थाना प्रभारी निरीक्षक रावेंद्र द्विवेदी ने पी. एम. श्री कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय पहुच छात्राओं से किए संवाद

पुष्पांजलि टुडे राजेश कुमार तिवारी ब्यूरो चीफ सतना जिले के सभापुर थाना प्रभारी निरीक्षक रावेंद्र द्विवेदी ने थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर मे स्थित पी. एम. श्री कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय पहुच छात्राओं से संवाद किया ,थाना प्रभारी ने छात्राओं को पढ़ाई करने एवं कैरीयर बनाने के सम्बन्ध में सुझाव देने के साथ ही किसी अपरिचित व्यक्ति के संपर्क में न आने, एवं किसी भी व्यक्ति के बहकावे में आकर गलत कदम नही उठाने के सम्बन्ध में जानकारी साझा करने के अतिरिक्त साइबर अपराध से बचने के सम्बन्ध में जानकारी साझा की,थाना प्रभारी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को यह भी बताया की अपने फोटो सोशल मीडिया में शेयर न करें,साइबर संबंधी समस्या होने 1930 में फोन कर शिकायत दर्ज कराएं साथ ही किसी भी परिस्थिति में पुलिस सहयता हेतु डायल 100 में फोन कर पुलिस सहयता प्राप्त करें। इस दौरान विद्यालय प्राचार्य धर्मेन्द्र गुप्ता,पी.एम. श्री प्रभारी सुरेन्द्र गौतम समेत विद्यालय के शिक्षक - शिक्षिकायें एवं भारी संख्या में छात्रायें उपस्थित रहीं।

जन-जन योजनाओं का लाभ माध्यम है विकसित भारत संकल्प यात्रा

संकल्प यात्रा में शामिल हुई राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना सतना जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के शहर और गांव के क्षेत्रों में पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। शनिवार को सोहावल विकासखंड के डेलौरा एवं डेलौरी में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रदेश शासन की राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी भी शामिल हुई। इस मौके पर उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा जनकल्याण और सर्वजन हिताय योजनायें संचालित हो रही है। इन देशव्यापी योजनाओं को लाभ जन-जन तक पहुंचाने विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। योजना के लाभ से वंचित हितग्राही इस अवसर का लाभ उठायें।

ग्राम पंचायत डेलौरी एवं डेलौरा के विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शामिल होकर आमजनों को शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होने कहा कि सरकार की मंशा है कि शासन की योजनाओं का लाभ आम जनता तथा पात्र हितग्राहियों को मिले, उन्हें लाभ पाने के लिए भटकना नही प?ो। इसी उद्देश्य से हर ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय के वार्डों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी लोग आगें आएं तथा योजनाओं का लाभ उठाएं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि आमजनो तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना, सरकार का मुख्य उद्देश्य है। जिसके लिये प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी वाली गाॅंयां घूम-घूमकर योजनाओं से आमजन को रुबरु करा रही हैं। शिविर के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं से संबंधित योजनाओं के स्टाल लगाए गए है, उसका सभी जन लाभ उठायें। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा प्रतियोगिता के प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र तथा अन्य हितग्राहियों को हित लाभ वितरित किये। कार्यक्रम में राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने उपस्थित जनों को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर एसडीएम एसके गुप्ता और सीईओ जनपद प्रतिपाल बागरी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों द्वारा आईईसी वैन (प्रचार रथ) का स्वागत किया गया। इसके उपरांत शिविरों में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए गए। शिविरों में आईईसी वैन द्वारा एलईडी के माध्यम से शासन की विभिन्न संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई। इसके अतिरिक्त शिविरों में पूर्व में शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले हितग्राहियों द्वारा मेरी कहानी-मेरी जुबानी अंतर्गत योजना का लाभ पाने के बाद जीवन में आए बदलावों और आर्थिक उन्नति के बारे में अवगत कराया गया। शिविरों में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। जिनमें स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग द्वारा ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए आवश्यक परामर्श और उपचार भी किया जा रहा है। साथ ही आयुष्मान भारत सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने हेतु आवेदन भी प्राप्त किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग द्वारा किसानों के समक्ष ड्रोन के माध्यम से खेतों में उर्वरकों के छिड़काव का भी प्रदर्शन किया जा रहा है। साथ ही मृदा स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने किये खैरूआ सरकार स्वामी के दर्शन

पुष्पांजलि टुडे राजेश कुमार तिवारी ब्यूरो चीफ सतना

सतना राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी शनिवार को नागौद के समीप स्थित खैरूआ सरकार मंदिर पहुंची। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने खैरूआ सरकार स्वामी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश वासियों के जीवन में खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

सबके सहयोग से सतना जिले का करेंगे विकास-प्रतिमा बागरी

राज्यमंत्री ने जिले के विभाग प्रमुख अधिकारियों की ली बैठक

सतना के प्रगतिशील एवं प्रस्तावित विकास प्रोजेक्ट पर की चर्चा

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना मध्यप्रदेश शासन की राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शनिवार को सर्किट हाउस में जिले के विभाग प्रमुख अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित परियोजना कार्य एवं सतना के विकास के प्रस्तावित प्रोजेक्ट पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सतना जिले के विकास का कार्य सब के सहयोग से किया जाएगा। नये वर्ष में सभी विभाग विकास के लक्ष्यों को निर्धारित कर उसे पूरा करने का संकल्प लें। इस मौके पर प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत डॉ. परीक्षित झाडे, डीएफओ विपिन पटेल, अपर कलेक्टर ऋषि पवार, आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह, एसडीएम नीरज खरे, एसके गुप्ता, अधीक्षण यंत्री विद्युत जीडी त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन आर एस नट, आरआईएस अश्विनी जायसवाल, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, आबकारी अधिकारी विभा मरकाम, जिला शिक्षा अधिकारी नीरव दीक्षित, जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह, महाप्रबंधक पीएम जी एम वाय गणेश मिश्रा सहित नर्मदा घाटी विकास बाणसागर परियोजना सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि जिले में चल रहे विकास परियोजनाओं के कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किये जाये। जिन विभागों के प्रोजेक्ट स्वीकृत हेतु लंबित है अथवा क्रियान्वयन में शासन स्तर से किसी प्रकार का सहयोग अपेक्षित है। शासन स्तर पर आवश्यक पहल के लिए प्रस्तावों की जानकारी उन्हें प्रस्तुत करें। राज्यमंत्री ने जिले में पेयजल की स्थिति जल जीवन मिशन के कार्यों, विद्युत आपूर्ति एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर एवं आवश्यक अधोसंरचनात्मक ?रूरतें, खाद्यान्न वितरण एवं धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन उद्यानिकी, बाणसागर की नहरों से सिंचाई बरगी की दाई तट नहर और जल वितरिकाओं का निर्माण, विद्युत कंपनी की आरआरआरडीएस योजना के कार्य, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, उद्यानिकी, मेडिकल कॉलेज में हॉस्पिटल की स्वीकृति, स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की पूर्ति तथा रैगांव विधानसभा क्षेत्र में स?कों की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि जल जीवन मिशन के तहत सतना बाणसागर ग्रामीण सामूहिक जल प्रदाय योजना में जल निगम के माध्यम से एल एण्ड टी कंपनी द्वारा 5 विकासखंडों में योजना क्रियान्वित की जा रही है। शेष तीन विकासखंडों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा रेट्रो फिटिंग और नवीन जल योजनाओं से हर घर पेयजल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। सतना बाणसागर समूह योजना फेज-2 में जिले के शेष तीन विकासखंडों के लिए भी नल जल योजना के कार्य प्रारंभ किये जा रहे हैं। फेस-टू में केईसी लिमिटेड कंपनी द्वारा योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बताया कि ग्रीष्मकाल में पेयजल की समुचित आपूर्ति के लिए 60 हजार मीटर राइजर पाइप के प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 145 धान खरीदी केंद्र स्थापित होना है। जिनमें 139 धान खरीदी केंद्र स्थापित किये जा चुके हैं। उज्ज्वला योजना में कुल 5 लाख 78 हजार परिवारों में से 4 लाख 51 हजार 266 परिवारों को कनेक्शन दिए जा चुके हैं। जिले में 87 हजार 304 कनेक्शन बचे हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा में 1233 कनेक्शन दिए गए हैं। प्राचार्य आईटीआई ने बताया कि संस्थान के नए भवन के लिए 27 करो? रुपए लागत का प्रस्ताव भेजा गया है। मेडिकल कॉलेज के डीन अवतार सिंह ने मेडिकल कॉलेज से संलग्न हास्पिटल और बायपास से कनेक्ट करती हुई पृथक से स?क के प्रस्ताव की जानकारी भी दी। उप संचालक उद्यानिकी ने बताया कि संजय निकुंज नागौद के बीच से नागौद का बाईपास प्रस्तावित है। इसके बनने से नर्सरी प्रभावित होगी। नर्सरी के बाहर से बाईपास रोड निकालने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। बाणसागर के कार्यपालन यंत्री ने बताया की नहरों से सतना जिले में 45 हजार हेक्टेयर में जल सिंचन की क्षमता है। लेकिन 27 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में ही आसानी से सिंचाई हो पाती है। पूरी सिंचाई क्षमता 45 हजार हेक्टेयर में आसानी से सिंचन जल पहुंचने 135 करोड रुपये लागत के 11 प्राक्कलन प्रस्ताव तैयार कर मंजूरी के लिए भेजे गए हैं। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी में डॉक्टर की पद पूर्ति नागौद-सिंहपुर रोड पर खैरूआ सरकार मंदिर को जाने वाली स?क के चौ?ीकरण का प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने आरटीओ को निर्देशित किया कि हर यात्री वाहन का प्रत्येक जगह का किराया फिक्स करायें और बस तथा यात्री वाहनों में किराया सूची अनिवार्य रूप से लगवाये। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल की ऑटो वाहनों की पार्किंग भी सुव्यवस्थित करें।

मऊगंज जिले में एक जनवरी से शुरू होगी साइबर तहसील व्यवस्था

रीवा(पुष्पांजली टुडे)। मऊगंज जिले की सभी तहसीलों में एक जनवरी से साइबर तहसील व्यवस्था लागू की जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव खरगौन जिले में आयोजित कार्यक्रम से प्रदेश भर में इसका शुभारंभ करेंगे। इस कार्यक्रम को वेबकाधस्टग के माध्यम से मऊगंज जिले के सभी प्रमुख स्थानों में दिखाया जाएगा। इस संबंध में अपर कलेक्टर मऊगंज अशोक कुमार ओहरी ने बताया कि जिले में साइबर तहसील की व्यवस्था के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। साइबर तहसील के संबंध में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। साइबर तहसील की व्यवस्था लागू होने के बाद राजस्व प्रकरणों में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा तहसीलदार रेवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम की वेबसाइट पर साइबर तहसील माडयूल के माध्यम से कार्यवाही करेंगे। इस व्यवस्था के लागू हो जाने के बाद राजस्व प्रकरणों में दावेदार को सूचना की तामीली, सार्वजनिक इश्तहार का प्रकाशन, एसएमएस के माध्यम से नोटिस की जानकारी देने तथा आपत्तियाँ प्राप्त कर उनका निराकरण ऑनलाइन किया जा सकेगा। मऊगंज जिले में साइबर तहसील व्यवस्था को लागू करने के लिए एसडीएम मऊगंज बृजेन्द्र कुमार पाण्डेय को नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी पटवारी राजस्व निरीक्षक तथा अन्य अधिकारी इस व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार करें जिससे किसान इसका समुचित लाभ उठा सकें।

व्हाइट टाइगर सफारी में नए साल में पर्यटकों के लिए रहेगा विशेष प्रबंध

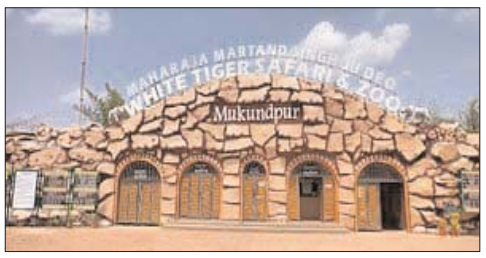

रीवा (पुष्पांजली टुडे)। वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसम्बर और नए वर्ष के आगमन एक जनवरी को महाराजा मार्तण्ड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर में पर्यटकों के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। इन दोनों दिनों में पर्यटकों की बड़ी संख्या का अनुमान करके अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं। इस संबंध में व्हाइट टाइगर सफारी के संचालक ने बताया कि इन दोनों दिवसों में आठ टिकट काउंटर बनाए गए हैं। वाहनों को व्यवस्थित करने के लिए दोपहिया वाहनों की दो तथा चार पहिया वाहनों की भी दो अलग-अलग पार्किंग बनाई गई है। नए साल में व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने तथा पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। इसके साथ-साथ चिकित्सा दल एवं फायर ब्रिगेड भी तैनात रहेंगे। व्हाइट टाइगर सफारी

में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए सतना मण्डल के 46 वन कर्मी, रीवा वनमण्डल के 9 वनकर्मी तथा वनरक्षक प्रशिक्षण शाला के 33 कर्मचारियों को तैनात किया गया है। वरिष्ठ अधिकारी व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग करेंगे। व्हाइट टाइगर सफारी के प्रवेश टिकट में पर्यटकों की सुविधा के लिए निर्देश अंकित किए गए हैं। इनका पालन करते हुए नए वर्ष की खुशियाँ मनाएं। नए साल में व्हाइट टाइगर सफारी आने वाले पर्यटक अपने साथ चल रहे बच्चों एवं बुजुर्गों का ध्यान रखें। वन्यप्राणियों के साथ न तो किसी तरह की छेड़छाड़ करें न ही उन्हें खाद्य सामग्री दें। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पर्यटकों की निगरानी की जाएगी। निर्देशों का उल्लंघन करने पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री का सिंगरौली में किया गया भव्य स्वागत

उप मुख्यमंत्री ने ज्वालामुखी माता मंदिर में की पूजा-अर्चना

रीवा (पुष्पांजली टुडे) ।उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल का सिंगरौली जिले में भव्य स्वागत किया गया। देवसर में विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने पुष्पहार एवं ढोल-ढमाकों से उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री के बरगवां पहुंचने पर राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह, विधायक देवसर श्री राजेन्द्र मेश्राम, विधायक सिंगरौली श्री रामनिवास शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, अन्य जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। सिंगरौली पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने क्षेत्र के सुप्रसिद्ध मंदिर ज्वालामुखी माता मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती सिंह, विधायकगण, कलेक्टर अरूण परमार, पुलिस अधीक्षक यूसुफ कुरैशी, अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा अधिकारी उनके साथ रहे।

उन्नत गोपद पुल में 15 फरवरी तक आवागमन शुरू कराएं - उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्माणाधीन सीधी-सिंगरौली हाईवे का किया निरीक्षण

रीवा (पुष्पांजली टुडे)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्माणाधीन सीधी-सिंगरौली हाईवे का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने बहरी, गोपद पुल, करथुआ, देवसर तथा बरगवां में निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया। गोपद पुल का निरीक्षण करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नत गोपद पुल की दो लेन का निर्माण लगभग पूरा हो गया है। सीधी की ओर लगभग 280 मीटर तथा सिंगरौली की ओर 100 मीटर पुल की एप्रोच रोड एक माह में बना दें। उन्नत गोपद पुल में 15 फरवरी से आवागमन शुरू करा दें। सीधी से सिंगरौली हाईवे इस पूरे क्षेत्र की जीवन रेखा है। इस महत्वपूर्ण फोरलेन सड़क के अधिकांश भाग का निर्माण पूरा होने की कगार पर है। इसके दो लेन का काम 15 फरवरी तक पूरा करा दें जिससे आवागमन शुरू हो जाए। वाहन चालकों को होने वाली कठिनाई दूर हो सके। शेष हाईवे का निर्माण भी वर्षा शुरू होने तक शुरू कराने के प्रयास करें।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क विकास की वाहनी होती है। सीधी से सिंगरौली सड़क का निर्माण काफी दिनों से चल रहा है। इस सड़क का निर्माण पूरा कराने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं जिसके कारण निर्माण कार्य में गति आई है। इसके निर्माण कार्यों की हर माह समीक्षा की जाएगी। किसी भी क्षेत्र के विकास में सड़क मार्ग, रेल मार्ग और हवाई मार्ग महत्वपूर्ण घटक हैं। इस दिशा में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में देश भर में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इसका लाभ विन्ध्य क्षेत्र को भी मिला है। रीवा में उड़ान योजना से एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। यहाँ मार्च से हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। रीवा और सीधी हाईवे में विश्वस्तरीय टनल का निर्माण किया गया है। इस कड़ी में ललितपुर सिंगरौली रेलवे लाइन और सीधी से सिंगरौली हाईवे भी शामिल है जिनमें तेजी से कार्य किया जा रहा है। इन महत्वपूर्ण कार्यों से पूरे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश के विकसित राज्यों में शामिल होगा। उप मुख्यमंत्री से आमजनों ने सोन नदी के जोगदहा पुल के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जोगदहा पुल का निर्माण 30 जून तक पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बहरी से हनुमना बहुत महत्वपूर्ण मार्ग है। इससे क्षेत्र के लोग सीधे प्रयागराज जाते हैं। तय समय सीमा में पुल का निर्माण पूरा कराएं। उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन करथुआ पुल का भी निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने देवसर में नवनिर्वाचित विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक के निज निवास जाकर उनसे सौजन्य भेंट की। श्री पाठक ने क्षेत्र के विकास गतिविधियों तथा विकसित भारत संकल्प यात्रा की गतिविधियों से उप मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री के भ्रमण के समय नगर निगम रीवा के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, कलेक्टर सीधी साकेत मालवीय, कलेक्टर सिंगरौली अरूण परमार, पुलिस अधीक्षक सीधी रवीन्द्र वर्मा, पुलिस अधीक्षक सिंगरौली यूसुफ कुरैशी, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के महाप्रबंधक तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पचमठा धाम धार्मिक पर्यटन का केन्द्र बनेगा - उप मुख्यमंत्री

पचमठा परिसर के निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएं - उप मुख्यमंत्री

रीवा (पुष्पांजली टुडे) ।उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने पचमठा धाम में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बीहर रिवर फ्रंट योजना के तहत पचमठा परिसर का सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है। इसके सभी निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। सीसी रोड बनाने तथा पेवर ब्लाक लगाने का कार्य तत्काल शुरू करें। पचमठा आदि गुरू शंकराचार्य जी की विन्ध्य क्षेत्र की यात्रा की स्मृतियाँ संजोये हुए है। इसका धार्मिक रूप से बहुत महत्व है। इस स्थान के विभिन्न निर्माण कार्य पूरे होने के

बाद पचमठा धाम धार्मिक पर्यटन का केन्द्र बनेगा। उप मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण, बाउन्ड्रीवाल निर्माण, सड़क निर्माण तथा सौन्दर्यीकरण के कार्यों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने पचमठा धाम के शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा मंदिर के सौन्दर्यीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे, आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, अधीक्षण यंत्री शैलेन्द्र शुक्ला, कार्यपालन यंत्री एसके चतुर्वेदी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके बाद उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने घोघर मोहल्ले में पुराने डाकघर के सामने जल भराव के संबंध में मिली शिकायत का निराकरण करने के लिए मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक निर्माण कार्य कराकर जल भराव की समस्या दूर करने के निर्देश दिए।

नियम विरूद्ध चल रहे 10 वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर वसूला शुल्क

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी के निर्देश पर परिवहन विभाग द्वारा गत दिवस वाहन चैकिंग की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान बिना परमिट, बिना फिटनेस, ओवरलोडिंग एवं नियम विरुद्ध चलने वाले 10 वाहनों पर कार्यवाही करते हुए कुल 17 हजार रूपए शमन शुल्क वसूल किया गया।जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि नियम विरुद्ध चलने वाले वाहनों पर की गई कार्यवाही में 30 यात्री बसों की चेकिंग की कार्यवाही की गई जिसमें से 10 यात्री बसों पर कार्यवाही करते हुए 17 हजार रूपए शमन शुल्क वसूल किया गया। उन्होंने बताया कि नियम विरूद्ध चल रहे वाहनों की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।इसके साथ ही करेरा नगर निरीक्षक सुरेश शर्मा ने शिवपुरी से झांसी जा रही कल्पना बस सहित अनेक बसों सहित यात्री वाहनों की फिटनेस कागजात देखें और चालानी कार्रवाई की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल राम मंदिर अक्षत कलश यात्रा में हुए शामिल

भगवान राम का जन्म स्थान मंदिर देश का गौरव बड़ाएगा - उप मुख्यमंत्री

रीवा (पुष्पांजली टुडे)। . अयोध्या में भगवान श्री राम की जन्म भूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। इस मंदिर में 22 जनवरी को भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। भगवान श्रीराम मंदिर के लिए रीवा नगर निगम के वार्ड क्रमांक 22, वार्ड क्रमांक 23 और वार्ड क्रमांक 24 में कलश यात्रा निकाली गई। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कलश यात्रा में

शामिल होकर वार्ड का भ्रमण किया। उन्होंने पवित्र नदियों के जल के कलश को शिरोधार्य कर वार्ड में भ्रमण किया। इस अवसर पर श्री शुक्ल ने कहा कि सदियों के बाद भगवान राम जन्मभूमि मंदिर पर विराजमान होंगे। अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विशेष प्रयासों से इस मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो सका है। भगवान श्रीराम के जन्म स्थान पर मंदिर का निर्माण और भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा देश का गौरव बड़ाएगी। हम सबको अब जन्मभूमि में भगवान श्रीराम के दर्शन का सुअवसर मिलेगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण तथा श्रीराम मंदिर अक्षत कलश यात्रा के सहभागी यात्रा एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

टी.आर.एस. कॉलेज में डॉ.सी.एम. मिश्र के सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मान

रीवा (पुष्पांजली टुडे)। प्रदेश के प्रतिष्ठित शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा में डॉ. सी.एम. मिश्र के सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह का आयोजन प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। तत्पश्चात महाविद्यालय परिवार द्वारा डॉ. मिश्रा का साल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। डॉ. अर्पिता अवस्थी ने प्रोफेसर मिश्रा के अध्यापन के प्रति निष्ठा की सराहना की। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अजय शंकर पाण्डेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि डॉ. मिश्र ने सच्चे शिक्षक की भूमिका का पूरे मनोयोग से निर्वहन किया है। डॉ. मनीष शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. मिश्र ने सभी परिस्थितियों में समभाव से अपने कर्त्तव्य का निर्वहन किया है। प्रोफेसर शिव कुमार दुबे ने कहा कि डॉ. मिश्र सभी विषयों पर अपनी स्पष्ट अभिव्यक्ति प्रकट करते थे। डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने पुराने संस्मरणों को याद करते हुए डॉ. मिश्र को मुस्कुराता हुआ दृड़ व्यक्तित्व का धनी बताया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अखिलेश शुक्ल ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का वह पड़ाव है जहां हम अपने काम की जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाते हैं और नई पारी की शुरुआत करते हैं। शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते। साधारण व्यक्ति को उसकी सेवा समाप्ति के बाद दस-बीस लोग ही याद रखते हैं। पर शिक्षक को हमेशा हजारों लोग और छात्र याद रखते हैं। कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त करते हुए डॉ. एस. पी. शुक्ल ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय में अपने वरिष्ठ प्राध्यापको को सम्मान देना हमेशा जारी रहेगा। उन्होंने प्रोफेसर मिश्र के व्यक्तित्व के बारे में विस्तार से रेखांकित किया। उन्होने कहा

संपादकीय

असरकारी होंगी न्याय यात्रा और नागपुर रैली

स्थापना के 138 वर्ष पूरे करने के अवसर पर कांग्रेस द्वारा गुरुवार को नागपुर में आयोजित होने जा रही रैली और मणिपुर से 14 जनवरी, 2024 को प्रारम्भ हो रही राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा पार्टी को तो मजबूती प्रदान करेगी ही, देश के लोकतंत्र को भी अपने पांवों पर फिर से खड़ा करेगी। कांग्रेस आज एक विशाल सभा करने जा रही है, तो राहुल की 30 मार्च को मुंबई में पूरी होने वाली दूसरी यात्रा उनकी सितम्बर, 2022 से प्रारम्भ (जो 30 जनवरी को जम्मू–कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में समाप्त हुई थी) हुई श्भारत जोड़ो यात्राश का सीक्वल कही जा सकती है। दोनों का आयोजन ऐसे वक्त पर हो रहा है जब देश में लोकसभा चुनावों की पदचाप सुनाई देने लगे हैं। दो कार्यकाल पूरा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार केन्द्रीय सत्ता पर काबिज होने की जुगत में है, तो वहीं कांग्रेस अपने दम और अन्य 27 दलों के सहयोग से उसे रोकने का संकल्प किये बैठी है। इस लिहाज से ये दोनों आयोजन कांग्रेस के लिये बहुत महत्वपूर्ण तो हैं ही, उसकी मजबूती इंडिया गठबन्धन को भी ताकत प्रदान करेगी जो उसके नेतृत्व में ही बना है। सभी विपक्षी पार्टियां उसकी ओर आशा भरी निगाहों से देख रही हैं। कांग्रेस की छतरी तले ये दल कुछ ऐसा ही भरोसा करके आये हैं। अगर कांग्रेस शक्तिहीन होती है तो उसका संयुक्त प्रतिपक्ष का नेतृत्व करने का नैतिक बल जाता रहेगा। इसलिये उसे जहां एक ओर खुद को मजबूत करना होगा वहीं लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ सभी को साथ लेकर संगठित तौर पर उतरना होगा। कांग्रेस अपने अस्तित्व को बचाये रखने का लक्ष्य भी इन दो आयोजनों से साध रही है। पहले बात करें नागपुर की रैली की। इसी शहर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय है जिसकी विचारधारा का विरोध कांग्रेस प्रारम्भ से ही करती आई है। यहां रैली का आयोजन करना एक तरह से संघ को चुनौती देना तो है ही, यहीं दीक्षाभूमि भी है जहां 14 अक्टूबर, 1956 को बाबासाहेब अंबेडकर ने 5 लाख लोगों के साथ बौद्ध धर्म का अंगीकार किया था। अंबेडकर संविधान के निर्माता भी हैं। कांग्रेस की इस दौर की सबसे बड़ी लड़ाई संविधान को भाजपा द्वारा क्षत–विक्षत होने से बचाने की भी है। इस तरह से देखें तो नागपुर में रैली करने का प्रतीकात्मक महत्व तो है ही, यह रैली उसकी विचारधारा के पुनर्घोष करने जैसा है। अगर यहां उसकी रैली सफल होती है तो उसके बारे में यह विश्वास कायम रहेगा कि वह भाजपा को टक्कर देने का हौसला और शक्ति रखती है। जहां तक राहुल की यात्रा–2 का सवाल है, तो उसकी महत्ता कई मायनों में है। उनकी पहली यात्रा का मकसद जहां नफरत के बाजार में मोहब्बत की दूकान खोलना था, वहीं प्रस्तावित यात्रा के तीन उद्देश्य हैं। बुधवार की सुबह कांग्रेस के प्रचार प्रभारी जयराम रमेश ने पत्रकारों को बतलाया कि इसे इसलिये न्याय यात्रा का नाम दिया गया है क्योंकि इसके माध्यम से लोगों के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक न्याय की बात उठाई जायेगी। कुछ फासला पैदल चलते हुए और कुछ वाहनों के जरिये तय किया जायेगा। 14 राज्यों से होती हुई लगभग 6200 किलोमीटर की यह यात्रा तकरीबन 359 लोकसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। यात्रा मतदाताओं से संवाद भी साधेगी। इसका असर लोगों पर पड़ना लाजिमी है। ऐसा विश्वास इसलिये व्यक्त किया जा सकता है क्योंकि पहली यात्रा के दौरान उसे लोगों ने स्वतरूस्फूर्त प्रतिसाद दिया था और लाखों लोग राहुल के साथ चले थे। कांग्रेस को भी भरोसा है कि इस बार भी पहले जैसा मंजर देखने को मिल सकता है। भाजपा की रीति–नीति के कारण जिस प्रकार से आमजनों के साथ यह सरकार आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक स्तरों पर अन्याय कर रही है, उसके चलते कांग्रेस द्वारा इसे न्याय यात्रा का नाम देना उपयुक्त ही प्रतीत होता है। देश में बढ़ती आर्थिक विषमता, महंगाई, बेरोजगारी, जनकल्याण पर घटता खर्च लोगों के साथ हो रहे अन्याय को इंगित करता है। आज अमीरों व सरकार समर्थकों के लिये अलग व्यवस्था है तो समाज में फैलती गैर बराबरी के चलते कमजोर, वंचित, शोषित, अल्पसंख्यकों आदि तबकों को न्याय से दूर कर दिया गया है। ऐसे ही, पिछले दिनों संसद में जो कुछ घटा है, वह बतलाता है कि सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को यह सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करती। देश की जो सबसे बड़ी पंचायत है, उसने थोक के भाव में सांसदों को निलम्बित होते देखा है, जो देश के संसदीय इतिहास में कभी भी नहीं हुआ था। सच तो यह है कि देश में दो समाज बना दिये गये हैं– एक कानून को अपनी जूती की नोक के नीचे रखता है, तो दूसरा वह वर्ग है जिसे न्याय की पहुंच से दूर कर दिया गया है। यह यात्रा एक नागरिक के तौर पर भारतीयों को न्याय हासिल कराने का अभियान कही जा सकती है। पहली यात्रा को गैर राजनैतिक कहा गया था, परन्तु यह दूसरी यात्रा अपने सियासी उद्देश्यों को दरकिनार करती हुई आगे नहीं बढ़ेगी। लोकसभा चुनाव–2024 उसकी आंखों के सामने है और पहली यात्रा में प्राप्त हुई अनेक उपलब्धियों को बरकरार रखने के लिये उसे दूसरी यात्रा को भी सफल बनाना होगा। दोनों यात्राओं के बीच चाहे साल भर का अंतराल आ गया हो परन्तु दोनों परस्पर पूरक हैं।

संसद के सवाल और विपक्ष का दायित्व

अशोक कुमार सिंह

76 साल की आजादी और लोकतंत्र के दीर्घ अनुभव के बाद संसदीय कामकाज में परिपक्वता, धैर्य और संयम दिखाई देने चाहिए थे, लेकिन फिलहाल लग रहा है कि हमें संसदीय तकाजे का ककहरा फिर से सीखना पड़ेगा। गौरतलब है कि इस शीतकालीन सत्र में संसद पर एक और हमले की कोशिश की गई थी।

एनडीए सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम शीतकालीन सत्र कई सुलगते सवालों को छोड़ गया है। इन सवालों के जवाब अभी गंभीरता से नहीं तलाशे गए, तो फिर देश में लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं को उखड़ने से रोक पाना कठिन हो जाएगा। संसद पर हमला, 146 सांसदों के निलंबन के बाद अब ये तथ्य भी सामने आया है कि संसद में दोनों सदनों में विपक्ष के सांसदों द्वारा पूछे गए 264 सवालों को प्रश्नों की सूची से हटा दिया गया है। ये तमाम बातें भारत के संसदीय इतिहास में पहली बार ही हो रही हैं। 76 साल की आजादी और लोकतंत्र के दीर्घ अनुभव के बाद संसदीय कामकाज में परिपक्वता, धैर्य और संयम दिखाई देने चाहिए थे, लेकिन फिलहाल लग रहा है कि हमें संसदीय तकाजे का ककहरा फिर से सीखना पड़ेगा। गौरतलब है कि इस शीतकालीन सत्र में संसद पर एक और हमले की कोशिश की गई थी। एकबारगी यह हमला मौजूदा सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ दिखाई देता है। लेकिन अगर देश के एक तबके में भाजपा के शासन को लेकर इतनी अधिक नाराजगी व्याप्त है कि उसके लिए संसद पर हमले का दुस्साहस किया जाए, तो फिर यह नाराजगी चुनावी नतीजों में क्यों नहीं दिखाई देती। क्या संसद पर हमला करने वाले जानते नहीं थे कि इसका अंजाम क्या होने वाला है। क्या कानून की कड़ाई का अंदाज होने के बावजूद उन्होंने इस जोखिम को उठाया और अपना भविष्य, जीवन सब कुछ खतरे में डाला। कुछ लोगों का पूरे योजनाबद्ध तरीके से संसद के बाहर और भीतर आकर विरोध दिखाना किसी नजरिए से मामूली घटना नहीं है, लेकिन इस पर सरकार का रवैया देखकर यह लग ही नहीं रहा कि उसे किसी बात की चिंता हुई हो। क्या भाजपा अपने बहुमत को कवच इस कदर अभेद्य मानने लगी है कि उसे इस बात से भी फर्क नहीं पड़ रहा कि दो लोग संसद के भीतर आकर धुआं छोड़ गए। संसद पर हमले को लेकर भाजपा सरकार का रवैया जितना आश्चर्यजनक रहा, उससे कहीं अधिक आश्चर्य यह देखकर हुआ कि गृहमंत्री से सदन में जवाब की मांग कर रहे विपक्ष के 146 सांसदों को दो–तीन दिन के भीतर निलंबित कर दिया गया। सदन पर हुए हमले का जवाब अगर सदन में नहीं मांगा जाएगा, तो फिर उसके लिए कौन सी अन्य जगह उपयक्त है, यह भी भाजपा को बता देना चाहिए। लगभग डेढ़ सौ सांसदों का निलंबन काफी नहीं था कि संसद के दोनों सदनों की सूची से उन 264 सवालों को भी हटा दिया गया, जो विपक्षी सांसदों ने पूछे थे। सरकार से पूछा जाना चाहिए कि क्या इन सवालों से भी सदन की कार्रवाई में व्यवधान पड़ रहा था। उल्लेखनीय है कि सांसदों के निलंबन के बाद लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान सांसदों के नाम के तहत सूचीबद्ध किसी भी कार्य या उनके द्वारा पेश किए गए नोटिस पर विचार नहीं किया जाएगा। संसद के प्रश्नकाल और शून्यकाल सांसदों को प्रश्न पूछने और सरकार के खिलाफ विचार व्यक्त करने की अनुमति देते हैं। इससे पहले भी विभिन्न सत्रों में सांसदों के निलंबन होते रहे हैं, लेकिन ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि निलंबन के साथ ही सांसदों के सवाल उठाने के संवैधानिक अधिकार को भी खत्म कर दिया गया है। ऐसा नहीं है कि खारिज किए गए सभी 264 सवाल संसद की सुरक्षा के मसले से ही जुड़े थे, अगर जुड़े होते तब भी सरकार को इनका जवाब देना चाहिए था। लेकिन ये सवाल जनता के हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर आधारित थे। जैसे राजद सांसद मनोज झा ने शिक्षा मंत्रालय से दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों के श्बड़े पैमाने पर हटानेश संबंधी सवाल किए थे। माकपा के सांसद जॉन ब्रिटास ने समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन पर कानून मंत्रालय से जानकारी मांगी थी। मगर अब इनका जवाब देने से मौजूदा सरकार बच गई है। सांसदों के निलंबन की कार्रवाई तो बाद में हुई, लेकिन संसद के नियमानुसार ये सवाल लगभग दो सप्ताह पहले ही लिखित में दिए जा चुके थे। फिर इन्हें सूची से हटाना क्या न्यायोचित कहा जा सकता है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जंतर–मंतर पर किए गए प्रदर्शन के दौरान कहा था कि 146 सांसदों को निलंबित करके लगभग 60 प्रतिशत जनता की आवाज को खामोश कर दिया गया है। संसद की सूची से सवालों को हटाना इस आरोप की ही पुष्टि करता है। शीतकालीन सत्र में उठे इन सुलगते सवालों के जवाब तलाशना इसलिए जरूरी है क्योंकि दांव पर जनता और देश का हित जुड़ा है। अब प्रश्न ये है कि अगर कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका और इनका संगी बन चुका मीडिया भी अगर इन सवालों से मुंह मोड़ ले तो फिर विपक्ष को क्या करना चाहिए। क्या विपक्ष लोकतंत्र बचाने के लिए केवल जुबानी जमा–खर्च करता रहेगा या राहुल गांधी जैसे दो–चार लोगों पर सड़कों पर उतरने का जिम्मा छोड़ देगा। अगर विपक्ष सड़क पर आता भी है तो क्या वह जनता तक अपनी बात पहुंचाने की तैयारी कर चुका है, या अब भी वो इंतजार में बैठा है कि कोई और आकर उसके हिस्से के काम करेगा। कायदे से अब विपक्षी सांसदों को अपने–अपने संसदीय क्षेत्र जाकर जनता से जुड़ने का काम शुरु कर देना चाहिए। संसद के पटल से जिन सवालों को हटा दिया गया है, उन्हें जनता के बीच जाकर उठाना चाहिए, वहां तो निलंबन की कार्रवाई का कोई परिपत्र असरकारी नहीं रहेगा। विपक्षी नेताओं को भाजपा के सांसदों और मंत्रियों के क्षेत्रों में जाकर उन सवालों को उठाना चाहिए, जिनके जवाब संसद में दिए जाने चाहिए थे, मगर नहीं दिए गए। विपक्ष जब तक अपने अस्तित्व का अहसास जनता को नहीं कराएगा, तब तक सारे विरोध–प्रदर्शन और सवाल बेकार रहेंगे।

गाजा कब्रिस्तान बनता जा रहा है

चंद्रमोहन

7 अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों द्वारा इजराइल पर हमले के बाद दुनिया भर में इजराइल के प्रति जो हमदर्दी थी वह गाजा पर लगातार और अंधाधुंध बमबारी के बाद अब पूरी तरह से लुप्त हो गई है। इजराइल को अब एक क्रूर और असंवेदनशील बेसुध देश की तरह देखा जा रहा है जो बदले की भावना में इतना बह गया है कि हजारों बेकसूरों को मार चुका है। पूछा जा रहा है कि गाजा के कितने हजार और बच्चों का खून बहाने के बाद इजराइल की प्यास बुझेगी? हमास ने 1200 इजराइली मारे थे जबकि इजराइल हमास को तबाह करने की असफल कोशिश में 20000 फिलस्तीनियों को मार चुका है। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। 5000 तो बच्चे ही मारे जा चुके हैं। जो कई सौ मलबे में दबे हैं वह अलग हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एनटोनियो गुटरेस का कहना है कि "गाजा बच्चों का कब्रिस्तान बन चुका है"। न्यूयार्क टाइम्स में पैट्रिक किंग्सले ने लिखा है "पिछले तीन वर्षों में मैंने कब्रीब एक दर्जन बार इस इलाकेब की यात्रा की है। अब इसे पहचानना ही मुश्किल है। घरों की दीवारें या छतें, या दोनों गायब हैं। बहुत से घर ताश के पतों की तरह एक–दूसरे पर गिरे हुए हैं"। क्रूरता ऐसी है कि शरणार्थियों के जबालया शरणार्थी शिविर पर बमबारी की गई जिसमें 45 लोग मारे गए। उतरी गाजा तो मटियामेट हो ही चुका है अब दक्षिण गाजा जहां शरणार्थी रह रहें हैं, पर भी बमबारी हो रही है। जिस इलाके की यह पत्रकार बात कर रहा है वहां कोई पच्चीस लाख लोग रहते थे जिन्हें बमबारी के कारण घरबार छोड़ कर भागना पड़ा था। अनुमान है कि गाजा की 80 प्रतिशत जनसंख्या बेघर हो चुकी है। इतनी बड़ी संख्या के लिए बसने की कोई जगह नहीं है और न ही वह वापिस ही आ सके क्योंकि वापिस आने के लिए कुछ बचा ही नहीं। इजराइल हमास से बदला लेना चाहता है पर बदला बेकब्सूर फिलस्तीनियों से लिया जा रहा है। पिछले 75 वर्षों में इजराइल ने अपने सैनिक बल और पश्चिम के देशों, विशेष तौर पर अमेरिका, के समर्थन से फिलिस्तीन को दुनिया के सबसे बड़े ओपन–एयर जेल में परिवर्तित कर दिया था जहां बाहर से राहत सामग्री भी इजरायल की अनुमति के बिना प्रवेश नहीं कर सकती थी। 25 लाख लोग घनी आबादी वाली तंग बस्तियों में रहते हैं जहां इजराइल की खुफिया एजेंसियां उन के दैनिक जीवन पर सख्त नजर रखती हैं। जहां पहले रोजाना राहत सामग्री से भरे 500 ट्रक प्रवेश करते थे वहां अब एक दर्जन को मुश्किल से अन्दर आने की इजाजत है। कई लोग तो शिकायत कर रहे हैं कि इजराइल गाजा के लोगों को भूखा मारना चाहता है, जिसका प्रतिवाद इजराइल कर रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि वह तब तक लड़ते जाएंगे जब तक हमास तबाह नहीं हो जाता। पर अगर वह हमास को तबाह नहीं कर सके तो क्या इसी तरह बेकसूर फिलिस्तीनियों पर बम और मिसाइल बरसाते रहेंगे? यहूदियों ने अपने इतिहास में यूरोप में बहुत अत्याचार सहा है। हैरानी है कि वैसा ही अत्याचार वह फिलस्तीनियों के साथ कर रहे हैं। शिकार अब अत्यंत क्रूर शिकारी बन गया है। इस प्रकार की सरकारी हिंसा तो किसी नस्ली सफाई से कम नहीं। यूनिसेफ ने गाजा की स्थिति को 'मानवीय त्रासदी' कहा है और यह भी कहा है कि गाजा के बच्चों के पास पीने के लिए मुश्किल से पानी की एक बूंद है। वहां अस्पताल काम नहीं कर रहे। अधिकतर तो वैसे ही बमबारी से ध्वस्त हैं। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने बताया है कि वहां भुखमरी की हालत है। चारों तरफ गंदगी फैली हुई जिस कारण डाक्टर चेतावनी दे रहे हैं कि जितने बच्चे बमबारी से मारे गए उससे कहीं अधिक बीमारी से मर सकते हैं। इस अंधी क्रूरता पर दुनिया भर में विरोध हो रहा है। फ्रांस, जर्मनी और इंग्लैंड जो अब तक इजराइल का समर्थन करते रहे हैं ने पहली बार संयुक्त राष्ट्र में युद्ध विराम के प्रस्ताव को समर्थन दिया है। अमेरिका ने प्रस्ताव को वीटो किया है जबकि भारत समेत 153 देशों ने इसे समर्थन दिया है। हाल ही में अमेरिका ने इजराइल से कहा है कि वह चाहता है कि वह हमास पर युद्ध की रफ्तार कम करें पर जब इजराइल ने ऐसा नहीं किया तो बाइडेन ने पहली बार इजराइल की सख्त आलोचना करते हुए कहा कि वह देश "अंधाधुंध बमबारी" के कारण अंतर्राष्ट्रीय समर्थन खोने की स्थिति में है। पर इसके बावजूद बाइडेन लगातार इजराइल को बम और मिसाइल सप्लाई करते जा रहे हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पहली बार युद्ध विराम के पक्ष में वोट डाला है। भारत अभी तक इस मुद्दे पर वोट करने से बचता रहा है। हम 'मानवीय सहायता' या 'युद्ध की तीव्रता कम करने' की वकालत करते रहे हैं। भारत और दूसरे देश जो पहले तटस्थ थे या इजराइल का पक्ष ले रहे थे के द्वारा अब युद्ध विराम के पक्ष में वोट डालना बताता है कि इजराइल किस तरह अलग–थलग पड़ रहा है। भारत का इजराइल के साथ पुराना रिश्ता है और उस देश और वहां के लोगों के प्रति यहां बहुत सद्भावना रही है। अरब देशों ने पाकिस्तान के साथ हमारे युद्धों के दौरान उस देश का पक्ष लिया था और 1962 के चीन के साथ युद्ध में तटस्थ रहे थे। इसका यहां असर हुआ था जबकि इजराइल इन युद्धों में सैनिक सामान से हमारी सहायता करता रहा है। भारत में क्योंकि यहूदियों से गलत व्यवहार नहीं किया जाता, जैसा यूरोप के कुछ देशों में अभी भी हो रहा है, इसलिए उस देश का हमारे साथ लगाव रहा है। कारगिल के युद्ध के समय इजराइल ने हमें वह सैनिक सामान दिया जिसकी हमें बहुत जरूरत थी। एक रिपोर्ट के अनुसार इजराइल की सेना ने अपने इमरजैंसी स्टाक में से निकाल कर भारत को सप्लाई भेजी थी। प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने इजराइल के साथ कूटनीतिक सम्बंध कायम किए थे जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत घनिष्ठ बना दिए हैं। वह पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने इजराइल की यात्रा की है। हमारे उस देश के साथ अब गहरे सामरिक और आर्थिक सम्बंध है जिस कारण भारत इसकी मनमानी के प्रति आंखें मूंदता रहा है। जब हमास का हमला हुआ तो प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल के साथ एकता दिखाने में एक मिनट नहीं गंवाया। पर अब हालात बदल गए हैं। हमारी बढ़ती ताकघ्त के कारण अरब और खाड़ी के देशों ने पाकिस्तान के प्रति झुकाव छोड़ दिया है और साऊदी अरब, यूएई, कतर, ईरान जैसे देशों के साथ हमारे गहरे सामरिक, सुरक्षा और व्यापारिक सम्बंध बने हैं। भारत की ऊर्जा की जरूरत का 50 प्रतिशत इन देशों से पूरा होता है। 90 लाख भारतीय इन देशों में रहते हैं जो 50 अरब डॉलर वार्षिक स्वदेश भेजते हैं। इन देशों के साथ सम्बंध बेहतर करने में प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत मेहनत की है। हमास के हमले और उसके बाद इजराइल की जबरदस्त प्रतिक्रिया ने भारत सरकार के लिए जटिल कूटनीतिक चुनौती खड़ी कर दी थी। गाजा की तबाही के बाद लोक राय बदल रही है। एक तरफ बुरे समय में काम आने वाला इजराइल है तो दूसरी तरफ सारे अरब देश जो गाजा के लोगों पर अत्याचार से क्रोधित हैं। गाजा में युद्ध विराम का पक्ष लेकर भारत ने रिश्तों में कुछ संतुलन कघयम करने का प्रयास किया है। यह मानवीय दृष्टिकोण से भी सही है। लेकिन अगर यह युद्ध लम्बा चलता गया तो हमारे लिए भी कूटनीतिक चुनौती बढ़ती जाएगी क्योंकि हम बीच के रास्ते पर चलना चाहेंगे। लेकिन असली चुनौती तो इजराइल के लिए है क्योंकि इतनी तबाही करने के बावजूद न वह हमास को ही खघ्त्म कर सके हैं और न ही अपने अपहृत लोगों को ही निकाल सके हैं। उल्टा वह अंतर्राष्ट्रीय खलनायक बनते जा रहे हैं जिसकी अलग कधिमत चुकानी पड़ सकती है। फिलस्तीनियों को भी बड़ी कधिमत चुकानी पड़ेगी पर इजराइल खुद चौन से नहीं बैठ सकेगा। यह भी मालूम नहीं कि युद्ध का अंत क्या है? गाजा का पुनर्निर्माण कौन करेगा? जो परिवार तबाह हो चुकें हैं उनका क्या होगा? गाजा की सारी व्यवस्था तबाह हो चुकी है, प्रशासन कौन चलाएगा? इजराइल जोर–शोर से बमबारी कर रहा है पर वह इस युद्ध का विजेता नहीं होगा। उनका अत्याचार नए आतंकवादियों की पीढ़ी पैदा करेगा जो वर्तमान हमास की तरह उन्हें परेशान करती रहेगी। नए शहीद पैदा होंगे, नए आतंकवादी पैदा होंगे। अरब देशों में भी हमास और हिजबुल्ला जैसे और संगठन खड़े हो सकते हैं। इस समय फिलस्तीनी पिट रहे हैं। तबाह हो रहें हैं। पर समय के साथ वह सम्भलेंगे और हैरानी नहीं होगी कि युवा पीढ़ी जो अपना सब कुछ खो बैठी है, बदला लेने की भावना से प्रेरित होगी।

संसद की सुरक्षा में सेंधमारी के चुनावी प्रभाव से बचा नहीं जा सकता

कल्याणी शंकर

2023 का भारतीय संसद भवन की सुरक्षा का उल्लंघन पूर्व में 2001 के आतंकवादी हमले के बाद शुरू किये गये पहले से ही कठोर सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। आगंतुकों की गहन जांच के लिए यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है। संसद सदस्यों को पास की अनुशंसा करते समय सतर्क रहना चाहिए और उन्हें अपने कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। घुसपैठियों को भाजपा के मैसूरु सांसद की सिफारिश पर पास मिले थे।सरकार ने गहन जांच के आदेश देकर त्वरित प्रतिक्रिया दी। घटना में शामिल सभी छह व्यक्तियों को पकड़ लिया गया है और उन पर कड़े कानूनों के तहत आरोप लगाये गये हैं।संसद में हालिया सुरक्षा उल्लंघन के गंभीर राजनीतिक, चुनावी, विधायी और सुरक्षा निहितार्थ हैं। 146 सांसदों के अभूतपूर्व निलंबन ने अब विपक्षी इंडिया गठबंधन को एकजुट कर दिया है। लोकसभा में दो घुसपैठियों को आगंतुक गैलरी से कूदते और लोकसभा के अंदर धुएं के डिब्बे खोलते हुए देखा गया। यह एक रहस्य है कि संसद की सुरक्षा करने वाली पांच स्तरीय सुरक्षा के बावजूद वे सदन में कैसे घुस गये। दुर्भाग्य से, अतीत में विभिन्न देशों की संसदों पर हमले हुए हैं। इनमें 1981 का स्पेनिश तख्तापलट का प्रयास, 2017 का यूके संसद पर आतंकवादी हमला, 1987 का श्रीलंकाई संसद ग्रेनेड हमला, 2021 का यूएस कैपिटोल हमला और अक्टूबर 2023 का तुर्की सरकार भवन पर हमला शामिल है। प्रत्येक मामले में, तुरंत उचित सुधारात्मक उपाय किये गये। भारतीय संसद पर हुए इस हमले के मामले में, घटना के तुरंत बाद, सुरक्षा और कड़ी कर दी गयी और संसद भवन की किलेबंदी कर दी गयी। यहां तक कि उल्लंघन की उच्च–स्तरीय जांच के आदेश भी दिये गये। उच्च स्तरीय जांच रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद और भी कदम उठाये जाने की उम्मीद है। 2023 का भारतीय संसद भवन की सुरक्षा का उल्लंघन पूर्व में 2001 के आतंकवादी हमले के बाद शुरू किये गये पहले से ही कठोर सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। आगंतुकों की गहन जांच के लिए यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है। संसद सदस्यों को पास की अनुशंसा करते समय सतर्क रहना चाहिए और उन्हें अपने कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। घुसपैठियों को भाजपा के मैसूरु सांसद की सिफारिश पर पास मिले थे। सरकार ने गहन जांच के आदेश देकर त्वरित प्रतिक्रिया दी। घटना में शामिल सभी छह व्यक्तियों को पकड़ लिया गया है और उन पर कड़े कानूनों के तहत आरोप लगाये गये हैं। चौंकाने वाले सुरक्षा उल्लंघन के बाद, विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह से एक बयान की मांग की, जिसे उन्होंने देने से इनकार कर दिया। इससे अराजकता और टकराव पैदा हुआ जिसे टाला जा सकता था अगर शाह ने संक्षिप्त बयान दिया होता। विपक्ष ने हंगामा किया जिसके कारण 146 अनियंत्रित सदस्यों को निलंबित कर दिया गया, मुख्य रूप से इंडिया गठबंधन से। नियमों के मुताबिक दो कारणों से सदस्यों को सदन से निलंबित किया जा सकता है। पहला तब होता है जब कोई सदस्य अध्यक्ष के अधिकार का अनादर करता है। दूसरा तब होता है जब कोई सदस्य जानबूझकर और लगातार सदन की कार्यवाही में बाधा डालता है। इस उदाहरण में, निलंबित सदस्य राज्यसभा के अध्यक्ष और सभापति के अधिकार के खिलाफ गये। संसद का अपमान करने, राज्यसभा सभापति की नकल करने और सभापति की अवज्ञा करने के आरोप में कुल 146 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। राज्यसभा सभापति और लोकसभा अध्यक्ष ने इस तरह के अनियंत्रित व्यवहार को अस्वीकार्य बताते हुए यह निर्णय लिया। 2024 के लोकसभा चुनावों को देखते हुए, ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भी पक्ष का ध्यान सदन चलाने पर नहीं है। अगले महीने होने वाले बजट सत्र में भी टकराव हो सकता है, लेकिन फिर भी लेखा बजट पर मतदान पारित किया जाना चाहिए। चौंकाने वाले संसद उल्लंघन का चुनावी असर होगा क्योंकि विपक्षी दल मोदी सरकार के कथित अधिनायकवाद के विरोध में एक साथ आये हैं। वे इस मुद्दे को सड़कों पर ले गये हैं और इसे एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बना दिया है। विपक्ष सरकार से पूछ रहा है कि जब वह संसद जैसी हाई–प्रोफाइल संपत्ति की रक्षा करने में विफल रही तो वह नागरिकों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित कर सकती है। बेशक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक मजबूत नेता की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना 2024 के चुनावों के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए, पहले कदम के रूप में, विपक्ष ने विपक्षी वोटों को विभाजित होने से बचाने के लिए लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ एक संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला किया है।

पहला वनडे गंवाकर बोलीं हरमनप्रीत कौर- हम फील्डिंग में पीछे रह गए

मुंबई । भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को यहां पहले वनडे में आस्ट्रेलिया से मिली छह विकेट की हार के बाद कहा कि उनका क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा और उनकी खिलाड़ियों को आक्रामक क्रिकेट खेलने की जरूरत है। भारतीय टीम ने जेमिमा रोड्रिग्स के 82 रन और पूजा वस्त्राकर के नाबाद 62 रन की बदौलत आठ विकेट पर 282 रन का स्कोर खड़ा किया। पर आस्ट्रेलिया ने फोबे लिचफील्ड (78 रन), एलिस पैरी (75 रन) और तहलिया मैकग्रा (नाबाद 68 रन) के अर्धशतकों से यह लक्ष्य 46.3 ओवर में चार विकेट पर 285 रन बनाकर हासिल कर लिया।

भारतीय क्षेत्ररक्षकों ने आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को मनमुताबिक रन जुटाने दिये जिससे टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा कि हमने चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था। गेंदबाजों ने अपना काम किया लेकिन क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा। कुछ देर बाद ओस भी पड़ी लेकिन गेंदबाजों ने स्टंप में गेंदबाजी करके अच्छा किया। उन्होंने कहा- लेकिन मैं अपने क्षेत्ररक्षण से खुश नहीं थी। आस्ट्रेलिया ने शानदार तरीके से रन बचाये। पूजा (वस्त्राकर) अच्छी थी। हमें खुद का समर्थन करने और आक्रामक क्रिकेट खेलने की जरूरत है। आस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली खाता भी नहीं खोल सकी, उन्होंने कहा कि उनकी बल्लेबाज तेजी से शुरूआती झटके से उबरने में सफल रहीं और हम इस खाके के अनुसार प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी करने का तरीका शानदार था, हम इसी खाके के अनुरूप प्रदर्शन करना चाहते हैं। हमारी बल्लेबाज पिच को बखूबी पढ़ सकीं और जब गेंद थोड़ी फिसल रही थी तो वे इसे समझ सकीं। खिलाड़ियों ने दिखा दिया कि हम किस तरह खेलना चाहते हैं।

शतकवीर डीन एल्गर ने बताया- क्या है सेंचुरियन में खेलने का फार्मूला

सेंचुरियन। सेंचुरियन टेस्ट में भारतीय टीम को अकेले डीन एल्गर के हाथों ही हार झेलनी पड़ी। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने 185 रन बनाकर अपनी टीम को 400 रन पार करवाया जिससे भारतीय टीम दूसरी पारी में मनोवैज्ञानिक दबाव में आकर 131 रन पर ही सिमट गई और मुकाबला पारी और 32 रन से गंवा दिया। एल्गर को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। एल्गर ने मैच के बाद कहा कि आज की पारी बहुत खास थी। कभी-कभी हम जो करना चाहते हैं वह योजना के अनुसार काम नहीं कर पाता, लेकिन खुशी है कि आज यह काम कर गया। मुझे लगता है कि आपको चीजों को अच्छा और सरल रखने की जरूरत है। खेल पहले से ही काफी जटिल था। यहां सीधा फार्मूला था कि गेंद पर ध्यान दें, अच्छा और सीधा खेलें। देर तक खेलें। जब स्थिति आपके पक्ष में हो तो आपको स्ट्रोक लगाने चाहिए।

एल्गर ने कहा कि मैच में टोनी के साथ अच्छी साझेदारियां हुईं और फिर जेन्सन ने भी अपनी प्रतिभा दिखाई। आपको 20 विकेट लेने के लिए संभावित तेज गेंदबाजों और एक स्पिनर की जरूरत है, इसी तरह हम टेस्ट मैच जीतते हैं। रबाडा शानदार था, लेकिन फिर नंद्रि ने दिखाया कि वह कितना प्रतिभाशाली है। प्रिटोरिया में क्रिकेट या रग्बी देखने के लिए भीड़ उमड़ आती है।

सेंचुरियन टेस्ट गंवाकर बोले रोहित शर्मा- हम अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाए

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने का सपना लेकर उतरी भारतीय टीम का सेंचुरियन के मैदान पर तीसरे ही दिन सपना टूट गया। दक्षिण अफ्रीका ने पारी और 32 रन से पहला टेस्ट मैच जीत लिया। शर्मनाक हार से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी परेशान दिखे। टेस्ट में 5 और 0 रन बनाने वाले रोहित ने मैच के बाद कहा कि हम जीतने के लिए अच्छे नहीं थे। बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद केएल ने अच्छी बल्लेबाजी करके हमें वह स्कोर दिलाया लेकिन फिर हम गेंद से परिस्थितियों का फायदा नहीं उठा सके और फिर आज बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। अगर हमें टेस्ट मैच जीतना है तो हमें सामूहिक रूप से एक साथ आना होगा और हमने ऐसा नहीं किया। रोहित ने कहा कि यहां पर कुछ लोग पहले भी आ चुके हैं। हम जानते हैं कि यहां क्या उम्मीद करनी है। यहां हर किसी की अपनी योजना है। हमारे बल्लेबाजों को चुनौती मिली और हम अच्छी तरह से इसका सामना नहीं कर पाए। यह बाउंड्री स्कोरिंग मैदान था। हमने उन्हें स्कोर बनाते देखा। हमें विपक्षी टीम और उनकी ताकत को भी समझने की जरूरत है। हमने दोनों पारियों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की, इसलिए हम यहां खड़े हैं। रोहित ने कहा कि 3 दिनों के भीतर खेल खत्म करने के लिए बहुत अधिक सकारात्मकता नहीं है, लेकिन केएल ने दिखाया कि हमें इस तरह की पिच पर क्या करने की जरूरत है। हमारे गेंदबाज, इनमें से बहुत से लोग पहले यहां नहीं आए हैं इसलिए मैं ज्यादा आलोचनात्मक नहीं होना चाहता। हमारे लिए फिर से संगठित होना महत्वपूर्ण है, हम खिलाड़ी के रूप में ऐसे समय से गुजरते हैं और हमें अब अगले टेस्ट के लिए तैयार रहने की जरूरत है।

मेलबर्न स्टार्स ने प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में डैन लॉरेंस के साथ किया करार

मेलबर्न। इंग्लैंड के बल्लेबाज डैन लॉरेंस को मेलबर्न स्टार्स ने एक विदेशी प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में अनुबंधित किया है और वह बीबीएल के शेष भाग में खेलने के लिए तैयार हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, लॉरेंस ने इससे पहले 2020 में ब्रिस्बेन हीट के लिए बीबीएल में चार मैच खेले थे और सितंबर में ड्राफ्ट के लिए नामांकन किया था लेकिन उनका चयन नहीं किया गया था।

स्टार्स लगातार जीत के बाद तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, लेकिन जनवरी में पाकिस्तान के न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों के दौरे के लिए चुने जाने के बाद मीर और रऊफ टूर्नामेंट के शेष भाग में नहीं खेल पाएंगे। दौरे का पहला मैच ऑकलैंड में 12 जनवरी तक नहीं

है, लेकिन पीसीबी ने खिलाड़ियों के कार्यभार के कारण केवल 28 दिसंबर तक बीबीएल में खेलने के लिए रऊफ, मीर और सिडनी थंडर के लिए ज़मान खान को अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) की अनुमति दी। टूर्नामेंट के शेष भाग के लिए लॉरेंस को उपलब्धता स्टार्स के लिए एक दुर्लभ जीत है, जिन्हें अपने विदेशी अनुबंधों के साथ कठिन समय का सामना करना पड़ा है। उन्होंने हैरी ब्रूक को बीबीएल विदेशी ड्राफ्ट में दूसरे स्थान पर चुना, लेकिन अप्रत्याशित रूप से ब्रूक को टूर्नामेंट से हटना पड़ा क्योंकि उनके अंतरराष्ट्रीय कार्यभार के कारण उन्हें दिसंबर में इंग्लैंड के सफेद गेंद वाले कैरेबियन दौरे और जनवरी में भारत के टेस्ट दौरे के लिए चुना गया था। उन्होंने क्रिसमस से पहले इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को तीन मैचों के लिए अनुबंधित किया था, लेकिन उसके बाद वह उपलब्ध नहीं थे। वे क्रिसमस के बाद की अवधि के लिए इमाद वसीम को साइन करने में सक्षम थे। लॉरेंस स्टार्स के घरेलू मैदान एमसीजी से भी परिचित हैं, जिन्होंने 2020 में एक अनौपचारिक गुलाबी गेंद टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ इंग्लैंड लायंस के लिए शतक बनाया था।

भुवनेश्वर में निकिता शर्मा के गोल्ड जीतने पर जिलावासियों को गर्व

ऊना। उड़ीसा प्रदेश के भुवनेश्वर में सम्पन्न हुई ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1500 मीटर दौड़ में हिमाचल प्रदेश की निकिता शर्मा ने पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। निकिता की इस उपलब्धि पर जिला सिरमौर सहित पूरे गिरिपार क्षेत्र में गर्व और खुशी का माहौल है। उनके पिता और परिवाजनों को बधाइयां देने का तांता लगा है। निकिता ने इससे पहले अक्तूबर माह में चंडीगढ़ में भी गोल्ड मेडल जीता था। साथ ही बीते वर्ष नवंबर माह में भी निकिता ने छत्तीसगढ के बिलासपुर में दूसरी नेशनल ओपन अंडर-23 सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक और 800 मीटर दौड़ में भी निकिता ने कांस्य पदक अपने नाम किया था। राष्ट्रीय स्तर लगातार सफलता हासिल कर निकिता ने अपनी प्रतिभा का डंका बजाया है और साथ ही प्रदेश का नाम रोशन किया है। मानपुर की रहने वाली निकिता के पिता फकीर चंद शर्मा ने बेटी की कामयाबी पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि निकिता अपने कोच राकेश चौधरी की देखरेख में ऊना में ट्रेनिंग लेकर आगे बढ़ रही है और वह दिन अब दूर नही जब वह देश के लिए मेडल जीतेगी।

भारत के खिलाफ केप टाउन टेस्ट से बाहर हुए चोटिल तेम्बा बावुमा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण भारत के खिलाफ 03 जनवरी से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। वह सेंचुरियन में खेले गए बॉक्सिंग डे मैच के अधिकांश मैचों से बाहर रहे। सेंचुरियन में 185 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाले डीन एल्गर अपने अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका का नेतृत्व करेंगे। इस बीच, जुबैर हमजा को टीम में शामिल किया गया है। मैच की पहली सुबह, 20वें ओवर में बावुमा लॉन्ग-ऑफ की ओर गेंद का पीछा करते हुए खुद को चोटिल कर बैठे। इसके बाद उन्होंने तुरंत मैदान छोड़ दिया और उन्हें स्कैन के लिए भेजा गया, जिसमें खिंचाव का पता चला, लेकिन चोट का पता नहीं चला और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि मैच में उनकी आगे की भागीदारी निर्धारित करने के लिए उनकी रोजाना निगरानी की जाएगी। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, उन्हें सुबह के वार्म-अप में कुछ समय के लिए देखा गया था, लेकिन उसके बाद वो नहीं दिखे और अगले दो दिनों में, टीम प्रबंधन की ओर से कोई सूचना नहीं दी गई, खासकर इस बात पर कि बावुमा बल्लेबाजी

करेंगे या नहीं। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कोच शुकरी कॉनराड ने पुष्टि की कि बावुमा पूरी तरह से फिट नहीं थे और टीम यह जानने से पहले कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करना चाहती थी कि बावुमा को बल्लेबाजी करने की आवश्यकता होगी या नहीं। अंततः, कॉनराड ने बावुमा को जोखिम में न डालने का फैसला किया क्योंकि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की 163 की बढ़त को काफी आरामदायक माना। कॉनराड ने बाद में कहा, तेम्बा फिट नहीं थे, हालांकि वह बल्लेबाजी के लिए तैयार थे और हम इसकी निगरानी करते रहे। हालांकि जब हमने बढ़त हासिल की तो हमें लगा कि अगर हमने उसे बाहर भेजा तो संभावित जोखिम था कि वह जोखिम को और भी बढ़ा सकता था। हम लगातार खुद को अधिकतम समय दे रहे थे ताकि हम सही जानकारी दे सकें। अगर हम जल्दी विकेट खो देते तो वह बल्लेबाजी के लिए जाते।150 रन से आगे रहते हुए, मुझे लगा कि बावुमा को जोखिम में डालना ज़रूरी नहीं है। एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ अपने अगले असाइनमेंट के लिए उनकी उपलब्धता निर्धारित करने के लिए बावुमा का मूल्यांकन किया जाएगा। वह अपनी एसए20 प्रतिबद्धताओं के कारण अगले साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेलेंगे।

अपने घर पर जमशेदपुर के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने उतरेगी इन-फॉर्म ओडिशा एफसी

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी रात यहां अपने घरेलू मैदान कलिंगा स्टेडियम में जमशेदपुर एफसी की मेजबानी करेगी और इस मुकाबले के साथ ही ये दोनों टीमें आईएसएल सीजन 10 में अपने अभियान का पहला भाग समाप्त कर लेंगी। जगरनॉट्स शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, क्योंकि वे 10 मैचों से अपराजित चल रहे हैं। सर्जियो लोबेरा एंड कंपनी ने घर से दूर पंजाब एफसी पर 1-0 की जीत के दौरान प्रभावशाली श्रमता का प्रदर्शन किया। लोबेरा और उनके जगरनॉट्स ने अब रक्षात्मक मजबूती का प्रदर्शन करते हुए लगातार तीन क्लीन शीट हासिल की हैं। उन्होंने अपने सेटअप में युवा जोश व अनुभव के बीच आदर्श मिश्रण किया है और यह मैदान पर उनके उस उत्साह और प्रभावशीलता में नजर आता है जिसके दम पर वे महत्वपूर्ण पलों को अपने पक्ष में करते हैं। हालांकि, रेड माइनर्स अपने पिछले मैच में हैदराबाद एफसी पर 5-0 की शानदार जीत के बाद आत्मविश्वास के साथ आगामी मुकाबले में उतरेंगे। रेड माइनर्स हालात में बदलाव की तलाश में थे। डेनियल चीमा चुक्कु ने शानदार हैट्रिक बनाई। लिहाजा

आईएसएल 2021-22 लीग चैम्पियंस उम्मीद कर रहे होंगे कि नाइजीरियाई स्ट्राइकर उनकी गोल-स्कोरिंग चिंताओं को दूर करेगा। ओडिशा एफसी के हेड कोच सर्जियो लोबेरा ने कहा, ÷जमशेदपुर एक ऐसी टीम है जिसने पिछले कुछ मैचों में सुधार किया है। वो बहुत अच्छा खेली है। जब हमने पहले उनके खिलाफ खेला था तब मैंने कहा था कि वे अधिक अंक के हकदार है। यह एक कठिन मुकाबला होगा क्योंकि वे हर दिन सुधार कर रहे हैं, और उन्होंने रक्षात्मक और आक्रामक दोनों में संतुलन बनाया है।

जमशेदपुर एफसी के हेड कोच स्कॉट कूपर ने कहा कि यह मैच उन प्रशंसकों के लिए एक उपहार होगा जो वास्तव में फुटबॉल को पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, जमशेदपुर में उनके (ओडिशा एफसी) खिलाफ खेले गए मैच के दौरान, वो एक ऐसा मुकाबला था जहां दोनों टीमें गेंद को मैदान के साथ-साथ खेलती थीं। मुझे ओडिशा एफसी के खेलने का तरीका पसंद है। बता दें कि दोनों टीमों के बीच अब तक 13 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें ओडिशा एफसी ने 3 और जमशेदपुर ने 8 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 2 मैच ड्रा रहे।

UAE के खिलाफ अफगानिस्तान की टी20आई टीम घोषित, जादरान को कप्तानी, राशिद खान बाहर

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की चयन समिति ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ आगामी टी-20 के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की है जिसमें इब्राहिम जादरान तीन मैचों की श्रृंखला में टीम का नेतृत्व करेंगे। नियमित टी20आई कप्तान राशिद खान हाल ही में हुई पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण मुख्य टीम में शामिल नहीं हो पाए। तेज गेंदबाज फजल हक फारूकी और नवीन उल हक तीन खिलाड़ियों में से दो हैं जिन्हें हाल ही में वार्षिक केंद्रीय अनुबंध से बाहर निकलने के इरादे के लिए प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था, को भी टीम में शामिल किया गया है। एसीबी के बयान में कहा गया है, 'उन सभी ने एसीबी से संपर्क किया है और अपने देश का फिर से प्रतिनिधित्व करने की तीव्र इच्छा प्रदर्शित की है और पहले सौंपी गई समिति से उनके खिलाफ लगाए गए अनुशासनात्मक उपायों के संबंध में अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है।' तीन मैचों की टी20आई श्रृंखला 29 दिसंबर 2023 से 2 जनवरी 2024 तक शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेली जानी है। अफगानिस्तान आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार प्रभावशाली जीत हासिल की है जिसमें पाकिस्तान और 2019 चैंपियन इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ उल्लेखनीय जीत शामिल है।

अफगानिस्तान की टी20 टीम :

ब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जजई, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, दरविश रसूली, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, फजल हक फारूकी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम और कैस अहमद।

रिजर्व : राशिद खान, इजाज अहमद अहमदजई, इकराम अलीखिल और गुलबदीन नायब

शून्य पर आऊट होकर रोहित शर्मा ने बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। दूसरी पारी में 8 गेंदों का सामना करने के बाद वह स्कोररों को परेशान किए बिना आउट हो गए। वह कैगिसो रबाडा की स्विंग होती गेंदों को नियंत्रित नहीं कर पाए और क्लीन बोल्ड हो गए। इसके बाद भारतीय टीम ने यशस्वी जयसवाल को भी खो दिया, जो सिर्फ 5 रन ही बना सके। रोहित ने इसी के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में वीरेंद्र सहवाग की बराबरी कर ली है।

भारत के लिए सर्वाधिक शून्य (शीर्ष 7 पर बल्लेबाजी करते हुए) 34-विराट कोहली (575 पारियां), 34-सचिन तेंदुलकर (782), 31- वीरेंद्र सहवाग (430), 31- रोहित शर्मा (483), 29- सौरव गांगुली (484), क्रिकेट विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद रोहित शर्मा मैदान पर वापसी कर रहे थे।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत को 6 विकेट से हराया, श्रृंखला में बनाई 1-0 की बढ़त

मुंबई। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने वानखेड़े क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 6 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही मेहमान कंगारू टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है।

भारतीय टीम की ओर से मिले 283 रन के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया टीम ने 47वें ओवर में ही हासिल कर लिया। कंगारू टीम की तरफ से फोबे लिचफिल्ड ने 78, एलिस पैरी ने 75, ताहिला मैकग्राथ ने 68 और बेथ मूनी ने 42 रन की शानदार पारी खेली। बल्लेबाजी के उम्दा प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 21 गेंद

शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। भारत की तरफ से रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने एक-एक विकेट हासिल किए। इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 282 रन बनाए। भारत की तरफ से जेमिमा रोड्रिग्स ने 82 रन की शानदार पारी। उन्हें पूजा वस्त्राकर के तेज तर्रार नाबाद 62 रन का बेहतरीन साथ मिला। जबकि यास्तिका भाटिया ने भी 49 रन का योगदान किया। इसके अलावा, रिचा घोष ने 21 रन, दीप्ति शर्मा ने 21 रन और अमनजोत कौर ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर और जार्जिया वारेहम को दो-दो सफलता मिली। जबकि डार्सी ब्राउन, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड और एलाना किंग को एक-एक विकेट मिला।

बॉक्सिंग डे टेस्टः भारत को हरा दक्षिण अफ्रीका ने पारी और 32 रन से जीता पहला टेस्ट

दिल्ली/सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम ने अपने घरेलू मैदान में भारतीय टीम को एक बार फिर टेस्ट श्रृंखला जीतने से रोक दिया है। सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने भारत को एक पारी और 32 रन से मात दी है। डीन एल्गर को बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पहली पारी में 163 रन से पीछे चल रही भारतीय टीम दूसरी पारी में तो प्रोटियास गेंदबाजों के सामने घुटने ही टेक टिके। पूरी टीम मात्र 131 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए सिर्फ विराट कोहली ने 76 रन की जुझारू पारी खेली। वहीं शुभमन गिल ने 26 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी

बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका जबकि कप्तान रोहित शर्मा और आर. अश्विन समेत चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। दक्षिण अफ्रीका के लिए दूसरी पारी में नंद्रि बर्गर सबसे सफल गेंदबाज रहे, उन्होंने चार विकेट चटकाए जबकि कगिसो रबाडा को दो और मार्को यानसेन को तीन सफलता मिली।

इससे पहले, भारत ने पहली पारी में केएल राहुल के शानदार शतक की मदद से 245 रन बनाए थे जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 408 रन का आंकड़ा स्कोर बोर्ड पर लगाया। अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर ने 185 रन की शानदार पारी खेली। वहीं मार्को यानसेन ने 84 रन और डेविड बेडिंघम ने 56 रन की पारी खेली थी। जबकि भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक चार विकेट और मो. सिराज ने दो झटके थे। साथ ही शार्दुल ठाकुर, प्रसिद्ध कृष्णा और अश्विन को एक-एक सफलता मिली थी।

'हमेशा बारिश नहीं हो सकती', खराब फॉर्म के बीच बाबर आजम के समर्थन में आए मोहम्मद यूसुफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यजुसुफ बाबर आजम को खराब फॉर्म के बीच उनके समर्थन में सामने आए हैं और कहा है कि बल्लेबाज निश्चित रूप से अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में वापसी करेगा। पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खराब फॉर्म जारी है। बाबर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में सिर्फ एक रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर बोल्ड आउट हो गए। यह बल्लेबाज एशिया कप 2023 के बाद से खराब फॉर्म में है और विश्व कप 2023 में स्पिन के खिलाफ उनकी खराब बल्लेबाजी के लिए भी आलोचना की गई थी। पूर्व क्रिकेटर ने एक्स पर (पूर्व में ट्विटर) ट्वीट में कहा, 'अभी मजबूत रहें क्योंकि चीजें बेहतर हो जाएंगी, अभी तूफान हो सकता है, लेकिन हमेशा बारिश नहीं हो सकती।' हाल के दिनों में बाबर की खराब फॉर्म ने पाकिस्तान की किस्मत पर काफी असर डाला है। विश्व कप 2023 में दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों में से एक के रूप में आने के बाद पाकिस्तान टूर्नामेंट में बुरी तरह विफल रहा। स्पिन के खिलाफ बाबर की रुकावट और खराब गेंदों पर आउट होने की आदत ने पाकिस्तान को परेशानी में डाल दिया। बल्लेबाज को सभी प्रारूपों से पाकिस्तान के कप्तान के रूप में बर्खास्त कर दिया गया था और उम्मीद थी कि बाबर कप्तानी का भार पीछे छोड़कर अपने शीर्ष फॉर्म में लौट आएंगे। पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अच्छी बल्लेबाजी की स्थिति के बावजूद बाबर ने दोनों पारियों में खराब प्रदर्शन किया और क्रमशः 21 और 14 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया में अपनी आउटिंग के साथ बाबर ने 2023 में एक भी पारी में अर्धशतक नहीं बनाने का सिलसिला जारी रखा। पाकिस्तान को उम्मीद होगी कि मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में बाबर आजम अंतिम पारी में धुआंधार प्रदर्शन करेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन की समाप्ति पर 241 रनों की बढ़त ले ली है। पाकिस्तान को 3 मैचों की सीरीज में बने रहने के लिए मैच को ड्रॉ कराना होगा या सीधे तौर पर जीतना होगा।

WFI को निलंबित करने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं, अदालत में चुनौती देंगे : संजय सिंह

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह ने गुरुवार को कहा कि खेल मंत्रालय ने कुश्ती की राष्ट्रीय संस्था को निलंबित करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया और वे सरकार के इस फैसले को अदालत में चुनौती देंगे। खेल मंत्रालय ने रविवार को डब्ल्यूएफआई को चुनाव के तीन दिन बाद निलंबित कर दिया था कि उसने अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की घोषणा समेत कुछ फैसले करने में अपने ही संविधान का उल्लंघन किया था। संजय ने हालांकि कहा कि सरकार डब्ल्यूएफआई का पक्ष सुने बिना उनकी स्वायत्त और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई संस्था को निलंबित नहीं कर सकती। संजय ने कहा, 'हमने लोकतांत्रिक तरीके से डब्ल्यूएफआई के चुनाव जीते। जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश निर्वाचन अधिकारी थे, इसमें भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और यूनाईटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के भी पर्यवेक्षक थे।

चुनावों में 22 राज्य इकाईयों (25 राज्य संघ में से तीन अनुपस्थित थे) ने हिस्सा लिया था, 47 वोट मिले थे जिसमें से मुझे 40 मिले थे।' उन्होंने कहा, 'इसके बावजूद अगर हमें निलंबित कर दिया जाता है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

पार्क भ्रमण हेतु वाहनों के रजिस्ट्रेशन के लिए 1 जनवरी तक कर सकते हैं आवेदन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी के अन्तर्गत परिक्षेत्र पूर्व के भरकुली क्षेत्र में नवीन पर्यटन जोन घोषित किया गया है। उक्त क्षेत्र में पर्यटन वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत पर्यटकों को पार्क भ्रमण कराने हेतु वर्ष 2010 एवं उसके पश्चात के पंजीकृत वाहनों के लिए माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी में पंजीकरण कराये जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी के उप सचालक ने बताया कि पंजीकरण हेतु इच्छुक वाहन मालिक निर्धारित शुल्क जमा कर फार्म एवं शर्ते कार्यालयीन समय में 1 जनवरी तक संचालक कार्यालय, माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी में आवेदन कर सकते हैं।

स्वच्छता अभियान में स्वच्छता रेटिंग में नगर को देखते हुए सब कुछ छलावा नजर आ रहा है

मुंगावली -दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता जितेंद्र राय

-बस तीन बार स्वच्छता अभियान में पुरस्कृत शहर या कस्बा कहें की हालत देखकर भ्रम उत्पन्न होने लगा मैनेजिंग का खेल है स्वच्छता अभियान इसका सुरक्षा से कोई लेना देना है भी कि नहीं जगह-जगह गंदी नाली के पानी से कॉलोनियो के पास खाली जगह में तालाब का रूप धारण गंदे पानी ने कर लिया है, हर गली के सामने कचरे की ढेर आखिर चीख चीख कर कह रहे हैं अपनी व्यथाजब नगर के निवासियों को अपनी मोहल्ले के कचरी की ढेर साफ करने के लिए,181 मुख्यमंत्री सहायता केंद्र में यदि पुकार लगाना पड़े यदि अपने मोहल्ले में गंदे पानी के जलाशय बन चुकी उनकी वर्ष में दर्जनों बार सीएम हेल्पलाइन पर अपनी गुहार लगाना पड़े कुछ तो कहता है यह सब, मात्र सड़क पर और नाली का पानी में से कचरा निकालना और सड़क पर झाड़ू लगाने से स्वच्छता हो सकती है क्या जगह-जगह कचरे के ढेर के जलाशय जो गली मोहल्लों के पास बन चुके हैं उनकी समुचित जल निकासी न होने के कारण मच्छर मक्खी और अन्य बीमारियां फैल रही हैं क्या यह स्वच्छता में नहीं आता समुचित मार्ग निवासियों तक ना पहुंच सके गंदगी के कारण तो क्या यह स्वच्छता का मापदंड नहीं है सड़कों के दोनों और गंदगी का अंबार केवल वर्ष में एक या दो बार ऊपरी सफाई मुख्य मार्गों पर झाड़ू लगवाने से मूलभूत व्यवस्था बदले बिना स्वच्छता नहीं आ सकती ना आएगी?

वाहनों के भौतिक सत्यापन हेतु जिला एवं तहसील स्तरीय उड़नदस्ता दल गठित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा जिला एवं तहसील स्तरीय उड़नदस्ता दलों को निर्देशित किया है कि 31 दिसंबर को अपने-अपने क्षेत्रातर्गत संचालित निजी विद्यालयों में विद्यार्थियों के परिवहन हेतु लगे हुये वाहनों का भौतिक सत्यापन कर विद्यालयवार सूचीबद्ध करेंगे तथा प्रत्येक वाहन के दस्तावेजों (रजिस्ट्रेशन क्रमांक, वाहन का मॉडल, बीमा, फिटनेस, बैठक क्षमता, परमिट, ड्रायविंग लायसेंस) का परीक्षण कर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करें।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी एवं जिला परिवहन अधिकारी शिवपुरी की संयुक्त बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार शिवपुरी जिले में किसी भी प्रकार के अवैध वाहनों के संचालन पर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु जिला एवं तहसील स्तरीय उड़नदस्ता दलों का गठन किया गया है। जिसके तहत जिला स्तरीय दल में संयुक्त कलेक्टर मोहम्मद युनुस कुरेंशी, जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती रंजना कुशवाह, जिला परियोजना समन्वयक विवेक श्रीवास्तव, यातायात प्रभारी रणवीर यादव को नियुक्त किया गया है। जबकि तहसील स्तरीय दल में संबंधित तहसील के नायब तहसीलदार, संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी, संबंधित क्षेत्र के बीएसी एवं परिवहन विभाग के एक कर्मचारी रहेंगे।

उक्त जिला एवं तहसील स्तरीय दल मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत अवैध रूप से वाहनों के संचालन के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करेंगे। जिला स्तरीय दल समस्त तहसील स्तरीय दलों के पर्यवक्षण का कार्य संपादित करेगा तथा स्वयं भी अवैध वाहनों के संचालन के विरूद्ध वैधनिक कार्यवाही करेगा। समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी अपने-अपने अनुविभाग अंतर्गत जिला स्तरीय दल द्वारा कार्यवाहियों के दौरान दल के साथ उपस्थित रहेंगे। समस्त उड़नदस्ता दल प्रतिदिन की कृत कार्यवाहियों से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

पुलिस विभाग ग्वालियर से सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी व कर्मियों को एसपी ग्वालियर ने दी विदाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे द्वारा पुलिस विभाग से सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को विदाई दी गई। इस मौके पर अति0 पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री निरंजन शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अशोक सिंह जादौन, रक्षित निरीक्षक ग्वालियर श्री सत्यप्रकाश मिश्रा पुलिस लाईन ग्वालियर, सूबेदार अजय प्रताप सहित कार्यालयीन स्टाफ एवं सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी व उनके परिजन उपस्थित रहे।आज पुलिस कंट्रोल रूम ग्वालियर सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे 08 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के लिये विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर विदाई दी गई। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों से नौकरी के दौरान उनके अनुभवों को भी साझा किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों से उनके भविष्य के कार्यकलापों के बारे में जाना तथा उनको सेवानिवृत्त उपरांत स्वयं को सामाजिक कार्यो में व्यस्त करने की सलाह दी जिससे अभी तक रही व्यस्तता की दिनचर्या से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के समापन पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने आज सेवानिवृत्त हो रहे पुलिसकर्मियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह, ट्रैवलर बैग भेंट कर उनके बेहतर स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना की। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों से उनकी सेवाकाल के दौरान किये गये कार्यो की जानकारी ली गई ।सेवानिवृत होने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण इस प्रकार है- उनि रणवीर सिंह भदौरिया, उनि(अ) खालिद रिजवी, सउनि मोहन सिंह तोमर, सउनि रामस्वरूप सिंह यादव, सउनि दिलीप सिंह कुशवाह, सउनि गजेन्द्र सिंह, सउनि करूणेश दीक्षित, सउनि रामप्रकाश गुनकर।

दतिया बच्चेदानी का ऑपरेशन कर निकला लगभग 3.2 किलो का ट्यूमर

डॉ. के एन आर्य वरिष्ठ लेप्रोस्कोपिक सर्जन

संदीप प्रधान उप संपादक दैनिक पुष्पांजलि टुडे

एव डा. रजनी पटेल स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की टीम ने लाड़ो रतन मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, दतिया (आरोग्यम चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित) में 40 मिनट में किया पूरा ऑपरेशन, महिला की हालत स्थिर, धीरे-धीरे रिकवर कर रही हैलाड़ो रतन मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, दतिया (आरोग्यम चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित) में सोमवार को 40 साल की महिला का 30-45 मिनट में सफल ऑपरेशन कर 3.2 द्वाद्व का ट्यूमर निकाला , महिला की जान बचाई। महिला की हालत अभी स्थिर है और धीरे-धीरे रिकवर कर रही है। दरअसल प्रीति(काल्पनिक नाम) पिछले छह महीने ने यूट्रस (बच्चेदानी) से खून स्त्राव के कारण परेशान थी। उसे पेट में काफी दर्द भी होता था। खून अधिक स्त्राव होने के बाद महिला ने इसकी

बच्चेदानी का ऑपरेशन कर निकला लगभग 3.2 किलो का ट्यूमर

डॉ. के एन आर्य वरिष्ठ लेप्रोस्कोपिक सर्जन एव डा. रजनी पटेल स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की टीम ने **लाड़ो रतन मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, दतिया (आरोग्यम चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित)** में 40 मिनट में किया पूरा ऑपरेशन, महिला की हालत स्थिर, धीरे-धीरे रिकवर कर रही है

जानकारी परिवार को दी। इसके बाद महिला को इलाज के लिए परिवार वाले कई जगह पर दिखाए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद महिला का परिवार उसे लेकर लाड़ो रतन मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल,दतिया पहुंचा। अस्पताल में गायनोलॉजिस्ट डा. रजनी पटेल ने महिला का इलाज शुरू किया। अधिक खून बहने के कारण महिला का हिमोग्लोबिन 6 ग्राम पर पहुंच गया था। अल्ट्रासाउंड करवाने पर महिला की बच्चेदानी में ट्यूमर होना पाया गया । उसके बाद 3 यूनिट खून चढ़ाने के बाद डा. के एन आर्य जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन एवं टीम ने सफल ऑपरेशन कर बच्चेदानी की गांठ को निकाला।

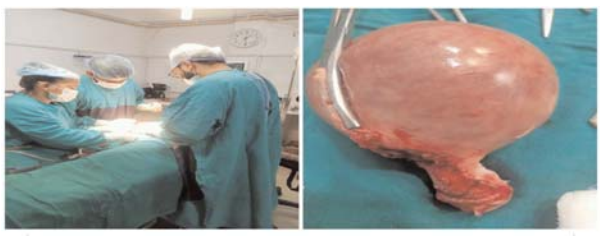

देश में हर 10 में से 5 महिलाओं को होती है ये बीमारी-मेडिकल कॉलेज दतिया में पदस्थ डॉ के एन आर्य बताते हैं कि अधिकतर महिलाएं लोक-लाज के कारण बीमारी किसी को बताती नहीं हैं और अंदर ही अंदर इसे सहती रहती है। गर्भाशय की ट्यूमर का सही समय पर इलाज न हो तो यह आगे जाकर गर्भाशय कैंसर का रूप ले लेता है। लिहाजा जिन महिलाओं में इस तरह के लक्षण दिखे तो तुरंत अस्पताल जाकर इलाज कराएं।

पता - लाड़ो रतन मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पीतांबरा मंदिर पश्चिम द्वार के पास दतिया,
संपर्क - 07522469863,

एम्पलाय सर्विस बोर्ड परीक्षा परिणाम की देरी के कारण युवाओं का भविष्य चौपट हो रहा : सिंघार

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
पुष्पांजली टुडे

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

भोपाल । विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एम्पलाय सर्विस बोर्ड(इ.एस.बी) मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित परिक्षाओं के परिणाम घोषित नही होने के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा।श्री सिंघार ने पत्र में लिखा है,कि एम्पलाय सर्विस बोर्ड (इ.एस.बी.) मध्यप्रदेश द्वारा वर्ष 2023 में बेरोजगारों युवको को रोजगार के लिये अनेक परीक्षाएं आयोजित की गयी किन्तु विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम घोषित नहीं होने के कारण बेरोजगारों युवा वर्ग रोजगार से वंचित रह गये। जिन परिक्षाओं का रिजल्ट नहीं आया उसका विवरण निम्नानुसार है :-

परीक्षाओं के नाम एवं परीक्षा कब हुई, वन रक्षक मई एवं जून 2023 परिणाम जारी नहीं हुए,ग्रुप 5 जून 2023 परिणाम जारी नहीं हुए, ग्रुप 4 जुलाई 2023 परिणाम जारी नहीं हुए,

ग्रुप 1 सब ग्रुप 1 जुलाई 2023 परिणाम जारी नहीं हुए,

एच.एस.टी. एस.टी वर्ग-1,अगस्त 2023 परिणाम जारी नहीं हुए,पुलिस कास्टेबल परीक्षा अगस्त 2023 परिणाम जारी नहीं हुए। श्री सिंघार ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में निम्न बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित कराया।

(1) परीक्षा बोर्ड द्वारा संविदा वर्ग 2 के प्रथम चरण की परीक्षा हुई है किन्तु द्वितीय चरण की परीक्षा अभी तक आयोजित नहीं हुई है।

(2) पटवारी की परीक्षा के परिणाम घोषित हुये किन्तु उसमें फर्जीवाडा होने की शिकायत की जांच अब तक पूर्ण नही हुई है जिसे नियुक्तियां लम्बित है।

(3) बोर्ड द्वारा आगामी वर्ष के लिये अभी तक परीक्षा कार्यकम का कैलेण्डर जारी नहीं किया गया है यह कैलेण्डर शीघ्र जारी किया जाये ।

(4) संविदा वर्ग की जो वेटिंग लिस्ट है उसे रिक्त पद से क्लियर किया जावे संविदा वर्ग 3 के जनजाति वर्ग के 4200 पदों को नियमानुसार वेटिंग लिस्ट से भरे ।

(5) (एल.बी.पी.एस) बैंक बोर्ड द्वारा समिति प्रबंधो की नियुक्ति नहीं हुयी है इनके नियुक्ति आदेश जारी किये जाये ।

दतिया डॉ नरोत्तम मिश्रा पद गया..कद बरकार

संदीप प्रधान उप संपादक दैनिक पुष्पांजलि टुडे

लगातार छह विधान सभा चुनाव जीतते व पांच बार मंत्री रहने के बाद भाजपा के तेड़तर्रार फायरब्रांड नेता डॉ नरोत्तम मिश्रा इस बार विधानसभा चुनाव हार गए....हार गए या साजिशन हरवा दिए गए यह एक अलग बहस का मुद्दा हो सकता है। लेकिन अंतिम सत्य यही है कि वह चुनाव में पराजित हो गए। डॉ मिश्रा कि हार प्रदेश ही नही देश मे चर्चा का विषय बन गयी। बनती भी क्यों नही, कोई सोच भी नही सकता था कि देश भर में प्रखर राष्ट्रवादी हिन्दू नेता के रूप में पहचान बना चुके,सरकार के संकटमोचन कहे जाने वाले चतुर व फायर ब्रांड राजनीतिज्ञ डॉ मिश्रा चुनाव भी हार सकते है।लेकिन सच यही है कि वह चुनाव हार गए लेकिन हम यहां बात उनके हार की नही हार के बाद डॉ मिश्रा के हालात की करना चाहते है। देखा जाए तो इस हार के बाद ही दुनिया ने सच मे देखा कि डॉ मिश्रा का कद राजनीति में कितना ऊंचा है।एक हार उनका कद इंच भर भी नही कम कर पाई।यही कारण रहा कि डॉ मोहन यादव भी मुख्यमंत्री बनते ही सबसे पहले डॉ मिश्रा से मिलने उनके निवास पर पँहुचे।उसके बाद दोनों उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा व श्री राजेन्द्र शुक्ला ने निवास पहुँच कर उनसे भेट की।विधानसभा अध्यक्ष बनाए गए पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने भी डॉ मिश्रा के निवास पहुँच कर बंद कमरे में लगभग एक घण्टे चर्चा की।उसके बाद मंत्री मंडल का गठन होते ही नव नियुक्त मंत्रियों के बीच जैसे डॉ मिश्रा से मिलने की होड़ सी मच गई। वरिष्ठ नेता व मंत्री बनाए गए कैलाश विजयवर्गीय हो या विजय शाह। तुलसी सिलावट हो राकेश शुक्ला।सब मंत्री पद के शपथ लेने के बाद ही डॉ मिश्रा से मिलने पॅहुचे।शपथ लेने के बाद ढेड दर्जन मंत्री अब तक मिल चुके है। वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव, सुरेन्द्र पटवा,अजय विश्नोई ,संजय पाठक सहित न जाने कितने विद्यायक भी अब तक डॉ मिश्रा के निवास पहुँच कर भेट कर चुके है।राजनीति में डॉ मिश्रा का बड़ा कद होने की बात इसलिए नही कही गयी थी कि उनका प्रभाव उनके दल में ही हो बल्की विपक्ष भी उनका उतना ही सम्मान करता है।विपक्ष कांग्रेस के भी कई नेता नई सरकार बनने के बाद अब तक उनके निवास पर दस्तक दे चुके है।चाहे वह वरिष्ठ विधायक राम निवास रावत हो या हाल में ही उप नेता प्रतिपक्ष बनाए गए हेमंत कटारे। इनके अलावा भी कई कांग्रेस विधायक डॉ मिश्रा उनसे निवास पर मुलाकात कर चुके है।कहने का अर्थ यह है कि डॉ मिश्रा का न केवल जलवा बरकार है बल्कि लगता है समय के साथ इसमे इजाफा हो गया है।चुनाव हारने के बाद भी प्रदेश की राजनीति पहले की तरह ही डॉ मिश्रा के इर्दगिर्द ही घूम रही है। राजनितिक विशेषज्ञ भी मानते है कि चुनाव में मिली एक हार बड़े नेता के कद पर कोई खास असर नही डालती है । चुनाव तो इंदिरा गांधी भी हारी और अटल बिहारी वाजपेयी। लेकिन हार ने इनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर कोई असर नही डाला। राजनीति के इतिहास में इनके कद का नेता आज तक कोई नही हो पाया है ।सभी को विश्वास है देर सवेर डॉ मिश्रा सत्ता या संगठन में मजबूत वापसी करेंगे और फिर शक्ति केंद्र के रूप में स्थापित होंगे।चुनाव में हार के बाद उन्होंने कहा भी था..समुद्र का पानी उतरे तो किनारा खाली देख के घर मत बना लेना..मैं लौट के आऊंगा.. इसमें कोई शक नही कि वह लौटेंगेऔर मजबूत होकर लौटेंगे।शायद अब इंतड़ार भी इसी का हो रहा है।

प्रशासन से न्याय की गुहार तारा खुर्द निवासी धर्मेंद्र पाल

अंबेडकर नगर थाना मालीपुर तहसील अकबरपुर ग्राम सभा तारा खुर्द पोस्ट तारा खुर्द निवासी धर्मेंद्र पाल पिता का नाम राम अजोर पाल अपनी ही जमीन में मकान बनाने के लिए निर्माण कार्य कर रहे थे निर्माण कार्य के दौरान धर्मेंद्र पाल के मकान की दीवार पूरी तरह से तैयार हो गई उसे पर सेटिंग हो गई आधा छत भी लग गया है इसके बाद धर्मेंद्र पाल के विपक्षी द्वारा चल रहे कार्य को पुलिस प्रशासन द्वारा रुकवा दिया गया मामला प्रशासन की निगरानी में जाने के बाद लेखपाल अजीत राय जी की रिपोर्ट एवं थाना अध्यक्ष महोदय की रिपोर्ट धर्मेंद्र पाल के पक्ष में लगाई गई थी जब धर्मेंद्र पाल ने फिर काम शुरू किया फिर विपक्षी के द्वारा प्रशासन की मिली भगत से निर्माण कार्य को रुकवा दिया गया जिससे धर्मेंद्र पाल को समय क्यों आर्थिक नुकसान हो रहा है पीड़ित धर्मेंद्र पाल न्याय के लिए दर-दर भड़काने को मजबूर है

ठंड लगने की वजह से गाय की हुई मृत्यु मौ नगर में नहीं है गौशाला बजरंग दल

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

आज ठंड लगने से एक और गौमाता की मृत्यु गल्ला मण्डी मौ में हुई अगर इसी तरह ठंड पड़ती रही तो कई बेजुबान गायो की मृत्यु इसी प्रकार होती रहेगीमौ प्रशासन और राजनेताओं द्वारा अभी तक गौशाला का निर्माण नही कराया गया गोवंश ऐसे आवारा घूमती और मरती रहगी मौ बजरंग दल के कार्यकर्त्ताओ द्वारा गौ माता की रक्षा एवं गौ शाला निर्माण के लिए कई प्रयास किये लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नही हुई शासन एवं राजनेताओं को इस बात पर ध्यान देना चाहिए और गौशाला का प्रबंध कराया जाए ताकि इस तरह गोवंश की हत्या ना हो और सभी प्रकार के मौसम में गाय सुरक्षित रहेमौ बजरंग दल अध्यक्ष - अतुल राजपूत, उपाध्यक्ष -रिंकू यादव , सतीश परिहार, आकाश कुशवाहा, शिव सिंह यादव एवं समस्त बजरंग दल कार्यकर्ता

अखिल भारतीय सीरवी समाज शूटिंग वालीबॉल प्रतियोगिता महाकुंभ का समापन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

मुम्बई:- सीरवी नवयुवक मंडल नालासोपारा व आईमाता स्पोर्ट्स क्लब नालासोपारा के तत्वाधान में अखिल भारतीय सीरवी समाज शूटिंग वालीबॉल प्रतियोगिता महाकुंभ का दो दिवसीय 29 दिसंबर को आईजी मैदान नालासोपारा में समापन हुआ। मुख्य अथिति एवं नवयुवक मंडल नालासोपारा के पदाधिकारी और कार्यकारिणी स्पोर्ट्स क्लब मेम्बर द्वारा दीप प्रज्वलित करके राष्ट्र गान के साथ शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में भारत देश के अनेक राज्यों की 56 टीमों ने भाग लिया। जिसमें विजेता आईजी राजस्थान रही। वही जी डी मैटला हैदराबाद उपविजेता रही।तीसरे विजेता आईमाता नालासोपारा तथा चथे विजेता जी डी एस खारघर रही। सभी विजेता टीमों को ट्रॉफि देकर सम्मानित किया गया । इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सीरवी-महासभा महाराष्ट्र प्रान्त के अध्यक्ष दिनेश गेहलोत, युवा अध्यक्ष राजेश ठाकुर, महासभा के अनेक पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ अतिथि मारवा? जंक्शन विधान सभा क्षेत्र के विधायक केसाराम चौधरी, समाजसेवी जसाराम के. राठौड़ किशनपुरा नवी मुंबई, सीरवी-समाज ठाणे वडेर के अध्यक्ष सुरेश वर्पा, मिरा-भायंदर से पुलिस प्रशासन के युवामित्र निस्वार्थ समाज सेवक दिनेश दीपा गेहलोत, तथा स्थानीय नेताओ मे से नालासोपारा के नगरपालीका के प्रथम

महापौर राजीव (नाना) पाटील साहेब, तथा नालासोपारा के युवा आमदार क्षितिज-दादा ठाकुर साहेब, भाजपा विधानसभा प्रमुख राजन नाईक साहेब, तथा समस्त मिडीया कर्मी, पुलिस-प्रशासन मे से पालघर के एस.पी. बाबासाहब पाटील साहेब, एडिशनल एस. पी. पंकज सिरसाट साहेब, नालासोपारा के वरिष्ठ पोलीस निरीक्षक विजयसिंह बागल साहेब, सहीत संपुर्ण पोलीस चौकी के कर्मचारीयो सहित पुलिस मित्र संगठन के प्रमुख जयेशभाई धर्मा माली, इन सभी का इस महाकुंभ कार्यक्रम को सफल बनाने तथा सफलता पूर्वक समापन करवाने अथाह प्रयास हेतु इस नालासोपारा के सीरवी नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सोहनलाल वर्पा, सहित उनकी टीम और महिला मंडल की अध्यक्षा सौ:- मंजुबहन लचेटा, व उनकी टीम तथा खेलमंत्री सोहनलाल बि. सैणचा एवं इनकी टीम नालासोपारा कि संपुर्ण महाकुंभ को सफल बनाने के लिए सहयोग रहा। इस महाकुंभ में

खेलमंत्री युवा प्रकाश पकीया भाई, युवा अध्यक्ष राजेश -ठाकुर खारघर ने उपस्थित रहकर व्यवस्था में विशेष सहयोग दिया। संस्था के अध्यक्ष सोहनलाल डी. चौधरी ने सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद दिया। ये जानकारी मिडीया प्रभारी सीरवी-मोतीलाल वी.परमार नालासोपारा द्वारा दी गई।

रुबीना दिलैक

और अभिनव शुक्ला ने बेटियों के जन्म की बात 1 महीने तक क्यों छुपाई? एक्टर्स ने खोला राज

रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला एक महीने पहले जुड़वा बेटियों के पेरेंट बने हैं. कपल इन दिनों हैप्पी स्पेस में हैं. रुबीना ने 27 नवंबर को बेटियों को जन्म दिया था और एक महीने बाद फैंस को ये गुडन्यूज दी थी.

अब अभिनव और रुबीना ने अपनी बेटियों के बारे में बात की है और साथ ही बताया कि आखिर उन्होंने 1 महीने तक बेटियों के जन्म की बात छुपाए क्यों रखी. टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में अभिनव ने कहा, हमने 27 नवंबर को बेटियों का वेलकम किया. वो नॉन आइडेंटिकल ट्विन्स हैं. हम बहुत खुश हैं. हमने उनका नाम एधा और जीवा रखा है. लक्ष्मी मां का आशीर्वाद है. हमारी जिंदगी खुशियों से भर गई है.

कैसी हैं रुबीना-अभिनव की बेटियां?

गुड न्यूज एक महीने के बाद फैंस के साथ क्यों शेयर की? इस बारे में बताते हुए अभिनव ने कहा, हमारी प्रायोरिटी उनकी हेल्थ थी. मैं चाहता था कि मां और बच्चें हेल्दी हों और भगवान की कृपा से वो ठीक हैं. लेकिन हमारे फेंड्स और फैंस जानने के लिए इंतजार कर रहे थे, इसीलिए हमने फैंस के साथ इस गुड न्यूज को शेयर करने का डिसिजन लिया.

बेटियों को देखते हुए घंटों बिता देता हूं

आगे अभिनव ने कहा, मैं उनका रिएक्शन देखने के लिए घंटों बिता देता हूं. मैं एक्सप्लेन नहीं कर सकता कि ये कैसा फील कराता है. हमारे बच्चे क्यूट हैं. उनकी बहुत अलग पर्सनैलिटी है.आगे रुबीना ने कहा, मदरहुड पर कमेंट करना बहुत जल्दी होगा, हां लेकिन ट्रांसफॉर्मेशन की जर्नी शुरू हो गई है. और ये मैं हर दिन महसूस करती हूं. मैं बस इतना ही कह सकती हूं कि अगर भगवान का चेहरा होता तो मेरी जिंदगी में ये मेरी दो बेटियों की तरह दिखता.

मुनव्वर फारुकी

ने बिग बॉस 17 में आयशा खान को किया प्रपोज, पूछा- क्या तुम्हारी फैमिली मुझे करेगी एक्सेप्ट ...

टीवी के मोस्ट कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस में इन दिनों काफी हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिल रहा है. हाल ही में इस रियलिटी शो में आयशा खान ने बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री ली है. आयशा मुनव्वर फारुकी की रूमर्ड गर्लफ्रेंड बताई जा रही है.वहीं आयशा के आने के बाद मुनव्वर का भी सारा ध्यान उन्हीं पर रहता है. इसी के साथ उनके आने से इस रियलिटी शो में चीजें काफी उलट-पुलट हो गई हैं. इन सबसे बीच मुनव्वर फारुकी को लेटेस्ट एपिसोड में आयशा खान को प्रपोज करते देखा गया.मुनव्वर ने आयशा को किया प्रपोज? बिग बॉस 17 के लेटेस्ट एपिसोड में, मुनव्वर आयशा से पूछते नजर आते हैं कि क्या उनके बीच कोई (संभव) फ्यूचर है. दरअसल हाल ही में एक बातचीत में मुनव्वर ने आयशा से पूछा, अगर हम अपने मुद्दे सुलझा लें तो क्या आपका परिवार मुझे एक्सेप्ट करेगा और क्या हमारे बीच कोई भविष्य है? आयशा ने पूछा कि क्या वह वास्तव में चीजों को ठीक करना चाहता है, जिस पर मुनव्वर ने जवाब दिया कि अगर वह कर सकते हैं तो उसे अच्छा लगेगा.

आयशा ने मुनव्वर पर लगाए थे कई आरोप

बता दें कि आयशा ने मुनव्वर पर कई गंभीर आरोप लगाए थे और दावा किया था कि वह उसके साथ डबल डेटिंग कर रहे हैं. आयशा ने दावा किया था कि बिग बॉस 17 से पहले, मुनव्वर ने उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में कास्ट करने के लिए सोशल मीडिया पर कॉन्टेक्ट किया था, लेकिन वीडियो कभी नहीं बना और जब मैं दूसरी बार उनसे मिली, तो उन्होंने आई लव यू कहा.

आयशा ने मुनव्वर पर डबल डेटिंग का आरोप लगाया था

आयशा ने आगे आरोप लगाया था कि जब उन्होंने मुनव्वर से उनकी गर्लफ्रेंड नज़ीला के साथ उनके रिश्ते के बारे में सवाल किया, तो उसने दावा किया कि उनका पहले ही ब्रेकअप हो चुका है.आयश ने ये भी दावा किया था कि उन्हें बिग बॉस 17 में आने के बाद ही पता चला कि मुनव्वर उसके साथ डबल-डेटिंग कर रहा था.

मैंने उसके अकाउंट पर उसकी और उसकी गर्लफ्रेंड (नाज़िला) की एक स्टोरी देखी और मुझे एहसास हुआ कि वह मुझे उसके साथ रिलेशनशिप में होने के बावजूद मुझे डेट कर रहा था.

ये है ओटीटी के सबसे महंगा एक्टर, एक वेब सीरीज के लिए वसूलते हैं इतनी मोटी रकम

कोविड के बाद से एंटरटेनमेंट का जरिया बदल गया है. ज्यादातर फिल्में और वेब सीरीज अब ओटीटी प्लेटफॉर्मेस पर रिलीज हो रही हैं. ऐसे में बॉलीवुड के कई सितारे ओटीटी का रुख कर रहे हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिल्मों की तरह ओटीटी के लिए भी एक्टर्स मोटी रकम वसूलते हैं. तो चलिए आज हम आपको बताएंगे कि ओटीटी का सबसे महंगा स्टार कौन है...

ये हैं ओटीटी के सबसे महंगे एक्टर

सुपरस्टार अजय देवगन ओटीटी पर सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने वाले बॉलीवुड एक्टर हैं. साल 2023 में उन्होंने रुद्र: द एज ऑफ डार्कनेस के जरिए ओटीटी पर अपना डेब्यू किया था. DNA की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन ने रुद्रा के लिए 125 करोड़ रुपये वसूले थे. यानी 1 एपिसोड के लिए उन्होंने 18 करोड़ रुपये चार्ज किए थे.

सैफ और मनोज बाजपेयी का भी नाम है शामिल

वहीं अजय देवगन के अलावा सैफ अली खान भी ओटीटी के महंगे स्टार में से एक हैं. अमर उजाला के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैफ को सेक्रेड गेम्स के लिए 15 करोड़ मिले थे. मनोज बाजपेयी ने भी द फैमिली मैन के लिए मोटी रकम वसूली थी. अभिनेता को इस वेब सीरीज के लिए 10 करोड़ रुपये फीस मिली थी.

पंकज त्रिपाठी-नवाजुद्दीन ने भी वसूली थी मोटी रकम

इस लिस्ट में पंकज त्रिपाठी का भी नाम शामिल है. एक्टर को सेक्रेड गेम्स के लिए 12 करोड़ रुपए मिले थे. तो वहीं मिर्जापुर के दूसरे सीजन के लिए पंकज त्रिपाठी ने 10 करोड़ रुपये चार्ज किए थे. इस लिस्ट में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का नाम ना हो, ऐसा सभला कैसे हो सकता है. सेक्रेड गेम्स से अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले नवाजुद्दीन ने इस सीरीज के लिए 10 करोड़ रुपये चार्ज किए थे.

सैफ के बारे में बात करते हुए करीना कपूर की आंखों में आ गए थे आंसू, फैंस बोले- क्या जोड़ी है

कॉफी विद करण के लेटेस्ट एपिसोड में सैफ अली खान और शर्मिला टैगोर आए थे. इस एपिसोड में शो के होस्ट करण जौहर ने सैफ और शर्मिला के साथ ढेर सारी मस्ती की. शो में दोनों ने ही अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े कई किस्से फैंस को सुनाए. शो में सैफ और शर्मिला टैगोर को सरप्राइज भी मिला. वो था उनके फैमिली मेंबर्स के उनके लिए मैसेज. करीना कपूर, सारा अली खान और सोहा अली खान तीनों ने सैफ और शर्मिला टैगोर के लिए मैसेज भेजा था. वीडियो में करीना ने सैफ और अपनी सास के बारे में बात की. सैफ के बारे में बात करते हुए उनकी आंखों में आंसू आ गए थे.करीना का अपनी अम्मा के लिए बहुत ही प्यारा मैसेज था. उन्होंने बताया कि जब से वह सैफ से मिली थीं तभी से शर्मिला टैगोर को अम्मा कहती थीं. करीना ने कहा- वह इतनी केयरिंग और प्यारी हैं कि मुझे उनके साथ सच में कनेक्शन फील होता है. मुझे लगता है वो सबा और सोहा की तरह ही मुझे देखती हैं. उन्होंने मुझे हमेशा से वेलकम महसूस

कराया है.

सैफ के बारे में बात करते हुए आए आंसू

सैफ के बारे में बात करते हुए करीना कपूर इमोशनल हो गईं. उन्होंने कहा- सैफ मेरे लिए क्या मायने रखते हैं? सैफ मेरी पूरी दुनिया हैं. वो मेरा यूनिवर्स हैं. मेरी पूरी लाइफ मेरे सैफ के इर्द-गिर्द घूमती है. जब भी मैं उनके बारे में बात करती हूं तो मेरी आंखों में आंसू आ जाते हैं. वो मेरी जिंदगी हैं. करीना से अपने बारे में सुनने के बाद सैफ अपनी चेस्ट पर हाथ रख लेते हैं. करीना के शब्दों से वो बहुत खुश हो जाते हैं.

करीना का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. फैंस इस पर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा- करीना सच में सैफ से प्यार करती हैं. वहीं दूसरे ने लिखा- क्या जोड़ी है.बता दें सैफ अली खान और करीना कपूर ने साल 2012 में शादी की थी. उनके दो बेटे तैमूर और जेह हैं. करीना अक्सर अपनी हैप्पी फैमिली की फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं.

केंद्रीय मंत्री घोषणा कर गए, MPRDC और NHAI में उलझा ग्वालियर-भिंड-इटावा फोरलेन प्रोजेक्ट

, ग्वालियर। ग्वालियर से भिंड और इटावा तक जाने वाले 108 किमी लंबे हाइवे को फोरलेन में तब्दील करने का प्रोजेक्ट नेशनल हाइवे अथारिटी आफ इंडिया (एनएचएआइ) और मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीआरडीसी) के बीच में उलझा हुआ है। इस रोड को फोरलेन में तब्दील करने की घोषणा सितंबर 2022 में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्वालियर में की थी, लेकिन उसके बाद से दोनों ही एजेंसियों ने इस रोड के प्रोजेक्ट को धरातल पर लाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है।एनएचएआइ के अधिकारी इस रोड को एमपीआरडीसी के अंतर्गत बताकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं और एमपीआरडीसी के अधिकारी केंद्रीय मंत्री की घोषणा का हवाला देकर एनएचएआइ पर जिम्मेदारी टाल रहे हैं।दरअसल, पिछले वर्ष ग्वालियर में एलिवेटेड रोड के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने आए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ग्वालियर-आगरा सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस के साथ ही नेशनल हाइवे 719 ग्वालियर-भिंड-इटावा को फोरलेन में तब्दील करने की घोषणा की थी। हालांकि यह सड़क वर्तमान में ग्वालियर से भिंड तक एमपीआरडीसी के चंबल डिवीजन के अंतर्गत आती है और इस पर टोल टैक्स की वसूली भी एमपीआरडीसी द्वारा अधिकृत कंपनी ही करती है।केंद्रीय मंत्री की घोषणा के बाद एनएचएआइ के अधिकारियों ने ग्वालियर-आगरा सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के तो टेंडर जारी कर दिए हैं, लेकिन ग्वालियर-भिंड-इटावा फोरलेन रोड को लेकर गफलत जारी है। केंद्रीय मंत्री की घोषणा के बाद से एमपीआरडीसी के अधिकारी निश्चिंत होकर बैठ गए हैं और उन्होंने भी अपनी ओर से इस सड़क को फोरलेन करने की सारी कवायदों

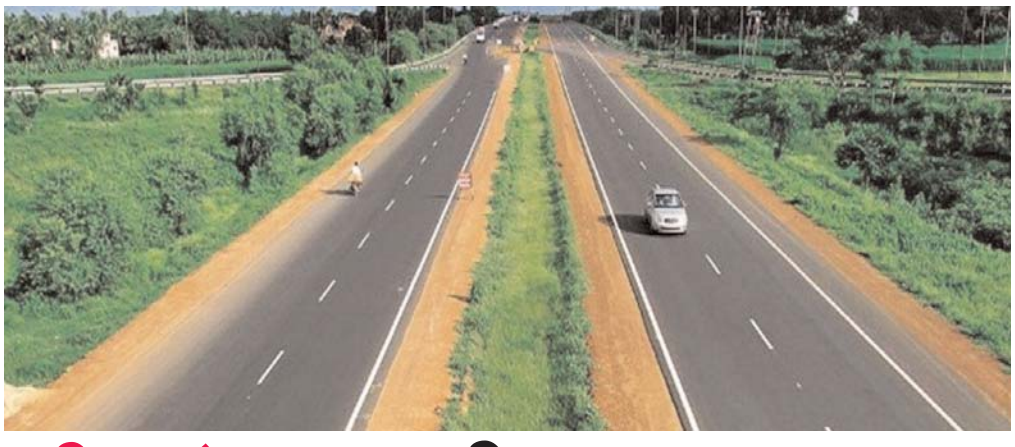

पर विराम लगा दिया है। इस गफलत के चलते फोरलेन रोड प्रोजेक्ट फाइलों में ही बंद हो गया है। पांच सालों में सात गुना बढ़ा ट्रैफिक, हर साल 350 हादसेयह हाईवे अभी टू लेन है, जिस पर डिवाइडर तक नहीं है। ग्वालियर में गोला का मंदिर से लेकर एयरफोर्स स्टेशन तक ही डिवाइडर हैं, लेकिन शहर के बाहरी इलाके में पहुंचते ही सड़क सपाट हो जाती है। संकरी सड़क होने के कारण हादसे की संभावना बनी रहती है, क्योंकि इस मार्ग पर ट्रक, डंपर, बस आदि भारी वाहनों का भी आवागमन होता है।पिछले पांच सालों में इस रोड पर सात गुना ट्रैफिक बढ़ चुका है और हर साल इस रोड पर 350 से अधिक हादसे होते हैं। अभी इस 108 किमी की दूरी तय करने में लोगों को तीन से साढ़े तीन घंटे का समय लग जाता है। फोरलेन होने पर यही दूरी तय करने में लोगों को दो से ढाई घंटे का समय लगेगा।

अहमदाबाद पुलिस का दरोगा ग्वालियर में बना सब्जीवाला और सिपाही ने बेचे गुब्बारे, पकड़ा चोर

ग्वालियर। गुजरात के अहमदाबाद की पुलिस का दरोगा ग्वालियर में सब्जीवाला और सिपाही गुब्बारे बेचने वाला बना। यह सब कवायद ग्वालियर में फरारी काट रहे एक सिपाही को पकड़ने के लिए की गई थी। जैसे ही चोर का पता लगा तो दबिश दी और उसे पकड़ ले गए। अहमदाबाद पुलिस की टीम चोर को पकड़कर अपने साथ ले गई है।अहमदाबाद में सोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत चाणक्यपुरी डिवाइन-3 टाउनशिप में रहने वाले एडवोकेट गुलाब सिंह के घर चोरी हुई थी। 20 दिसंबर को चोरी हुई थी। उनके घर से करीब पांच लाख रुपये का माल चोरी हुआ था। इसमें सोना-चांदी के गहने भी थे। पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो सुराग मिला। चोर

एक्टिवा से आया था।तफ्तीश में सामने आया कि ग्वालियर के हजीरा इलाके में रहने वाला अशोक शर्मा है। वह अपने दोस्त के घर रुका हुआ था। उसका दोस्त अहमदाबाद में गोल गप्पे बेचता है। वह दोस्त के घर रुककर अहमदाबाद में चोरियां कर रहा था।। पुलिस उसके दोस्त तक पहुंची तो पता लगा वह ग्वालियर जा चुका है।इसके बाद गुजरात पुलिस उसका पीछा कर ग्वालियर आ गई। ग्वालियर के हजीरा इलाके में उसकी घेराबंदी के लिए पुलिस टीम में शामिल दरोगा अजय कुमार ने सब्जी का ठेला लगाया। उसके घर के आसपास सिपाही राहुल व जिगनेश गुब्बारे बेचकर उस पर निगाह रखा हुआ था।अशोक कुछ देर के लिए घर से बाहर निकला। वीडियो काल कर अशोक के दोस्त को चेहरा दिखाया। पहचान होते ही उसे पकड़ लिया। हजीरा पुलिस को सूचना दी और इसके बाद आरोपित को पकड़कर टीम अहमदाबाद ले गई। उससे करीब 1.55 लाख रुपये का माल बरामद हुआ है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को आजीवन कारावास, अर्थदंड भी लगाया

ग्वालियर। अपर सत्र न्यायाधीश ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में दोष सिद्ध होने पर 22 वर्षीय बहोडापुर निवासी आरोपी अजय खान उर्फ अज्जु को आजीवन कारावास और 15 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है।रने वाले सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी आशीष कुमार राठौर और एडीपीओ नैंसी गोयल ने वारदात के बारे में बताया कि 9 सितंबर 2020 को 15 वर्ष

की पीड़ति अपने भाई के साथ दुकान से सामान लेने गई थी, लेकिन घर वापस नहीं आई। उसकी तलाश किए जाने के बाद भी उसकी कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई। इसके बाद पीडिता की माता ने उसकी गुमशुदगी की प्रथम सूचना रिपोर्ट थाना बहोड़ापुर में दर्ज करवाई।आरोपित ने शादी का दिया था झांसापुलिस की जांच के बाद लड़की को बरामद कर लिया। अपने बयानों में पीडिता ने बताया कि आरोपित अजय खान ने उसे शादी का झांसा दिया था और उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ट्रक से चीनौर ले गया। अजय खान ने वहां जा कर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब उसने इसका विरोध किया तो उसे शादी का वादा करने लगा और फिर एक बार दुष्कर्म किया । जब मामला कोर्ट में साबित हुआ तो कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनकर अपना फैसला सुनाया ।

कोहरे के कारण रेलवे की रफ्तार पर लगा ब्रेक, 4 से 16 घंटे देरी से चल रही ट्रेन

ग्वालियर,। ठंड व कोहरे से जनजीवन ही नहीं ट्रेनों की रफ्तार भी प्रभावित हुई है। हालात यह है कि घने कोहरे के कारण ट्रेन की रफ्तार पर ब्रेक लग चुका है। इसके कारण ट्रेन 4 से 16 घंटे देरी से चल रही हैं। जिसके कारण यात्रियों की समस्याएं बढ़ गई है।समय पर आने वाली ट्रेनें अब लोगों को घंटों इंतजार करा रही है। हालात यह है कि आनलाइन राइट टाइम या कितनी देरी से ट्रेन पहुंचेगी यह देखकर जो लोग स्टेशन पहुंच रहे हैं। उन्हें भी इंतजार करना पड़ रहा है। ट्रेन कोहरे के कारण देरी से चल रही ट्रेनों के आने पर कई गाड़ियों को आउटर पर खड़ा कर दिया जा रहा है।शुक्रवार को दिल्ली से ग्वालियर आने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को रिशेड्यूल कर दिया गया है। इसके चलते यह ट्रेन 16 घंटे 58 मिनट की देरी से शनिवार की सुबह दिल्ली से रवाना होगी। इसके कारण भोपाल से आने वाली वंदे भारत भी 14 घंटे 36 मिनट की देरी से आएगी।एक्सप्रेस

गाड़ियां देरी से चल रही है, इसके कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। दिल्ली से भोपाल की ओर जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस कोहरे के कारण 4 घंटे 45 मिनट देरी से चली। भोपाल से आने वाली शताब्दी भी इतनी ही देरी से रात 12 बजे स्टेशन पर पहुंची।

ग्वालियर में कोरोना वायरस की दस्तक, बागेश्वर धाम से लौटा व्यक्ति संक्रमित

ग्वालियर। ग्वालियर में कोरोना पाजिटिव मरीज मिला है। इसके साथ ही जिले में एक्टिव मरीज की संख्या एक हो गई है। कोरोना संक्रमित मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। कोरोना के चार सैंपल गजराराजा मेडिकल कालेज में जांच के लिए पहुंचे थे। इनमें से एक 58 वर्षीय व्यक्ति संक्रमित पाए गए। यह 15 दिन पहले बागेश्वर धाम छतरपुर गए थे। फिलहाल 58 वर्षीय मरीज को होम आइसोलेशन में रखा गया है। इनके संपर्क में आने वाले परिवार के सदस्यों के सैंपल लेने स्वास्थ्य विभाग की टीम सीएमएचओ के निर्देश पर उनके घर पहुंची।कोरोना संक्रमित ने बताया कि वह बागेश्वर धाम छतरपुर गए थे। वहां से लौटने पर सर्दी-जुखाम हुआ, तो एक हजार बिस्तर अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचा। यहां चिकित्सक ने कोरोना के लक्षण दिखाई देने पर जांच के लिए बोला। जांच गजराराजा मेडिकल कालेज में कराई तो रिपोर्ट पाजिटिव निकली। घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहा हूं। हालत स्थिर है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा.राजौरिया ने बताया कि मरीज की जांच के लिए रोजाना स्वास्थ्य टीम को भेजा जाएगा। दवा उपलब्ध करा दी गई हैं। संक्रमित के घर उनकी पत्नी व एक बच्चा भी है। इसलिए चिकित्सकों ने सलाह दी है कि अगर किसी को सर्दी-जुकाम के लक्षण दिखाई दें तो सूचना दें।

प्लास्टिक फैक्ट्री के गोदाम में लगी आग, इलाके में अफरातफरी

ग्वालियर के बारा गांव में प्लास्टिक फैक्ट्री के गोदाम में आग लगी, दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को आजीवन कारावास, अर्थदंड भी लगायातनाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को आजीवन कारावास, अर्थदंड भी लगायाआग लगते ही इलाके में अफरातफरी का वातावरण निर्मित हो गया था। नगर निगम ग्वालियर के अग्निशमन अधिकारी अतिबल सिंह यादव ने बताया कि सुबह हमें सूचना मिली की यहां एक गोदाम में आग लग गई है। हमने पानी की 4 गाड़ी एक साथ भेज दी थी। एक बार आग बुझा दी गई थी। नीचे कुछ आग रह गई थी उसमें दोबारा आग लग गई थी। जिसके बाद 3 और गाड़ियां भेजी गई।यादव के अनुसार शीघ्र ही आग पर काबू पा लिया जाएगा। यहां पटाखे और तेल के ड्रम रखे थे। गोदाम अवैध रूप से संचालित है और सरकारी जमीन पर थी, इस पर कार्रवाई की जाएगी।

धन के 15, मकर के 25, चिल्ला जाड़ा दिन 40, टूटेगा ठंड का रिकार्ड

अंचल में ठिठुरनभरी ठंड का कहर शुरु हो गया है। कोहरे ने अंचल के जनजीवन को प्रभावित करना शुरु कर दिया है। गुरुवार को कड़ाके की ठंड और कोहरे के कारण घरों से लोगों का निकलने का मन ही नहीं कर रहा है। 30 दिसबंर शनिवार से चिल्ला जाड़ा भी शुरु हो रहे हैं। चिल्ला जाड़े को लेकर अंचल में एक कहावत भी प्रचलित है धुन के 15 मकर के 25 चिल्ला जाड़ा दिनि चालीस है। चिल्ला जाड़े ठंड अपने पूरे यौवन पर होती है। चिल्ला जाड़ा में मावठ व ओलावृष्टि के आसार बनते हैं और एक जनवरी से शीतलहर चलने की आशंका जताई जा रही है।ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि जब सूर्य धनु राशि में 15 दिन रहता है और मकर में 25 दिन रहता है । इस अवधि में कड़ाके की ठंड रहेगी। धनु संक्रांति यानी सूर्य का धनु राशि में प्रवेश बीते दिनों 16 दिसंबर को हो चुका है।मकर संक्रांति से 15 दिन पूर्व और 25 दिन बाद तक चिल्ला जाड़ा माना जाता है। गुरु, शुक्र और बुध को जलीय ग्रह माना जाता है, जो की परस्पर युति या दृष्टि के कारण सर्दियों में बर्फबारी और शीत लहर को जन्म देते हैं। ऐसे में अभी ठंड के और ब?ने और उत्तर भारत में कुछ स्थानों पर हल?की बारिश के भी संकेत मिल रहे हैं।

गुना हादसे के बाद खुली अधिकारियों की नींद, एक दिन में ही 136 बसों की जांच की

ग्वालियर। गुना बस हादसे में जिंदा जले यात्रियों की हृदय विदारक मौत के बाद प्रदेश के अधिकारियों की नींद टूटी है। जो बसें नियम तोड़कर यात्रियों व सड़कों पर चलने वाले लोगों के लिए खतरा बनकर दौड़ रहीं थीं, उनकी गुरुवार को जमकर धरपकड़ की गई। नियम तोड़ने वाली यात्री बसों की ओर मुड़कर भी न देखने वाले जिम्मेदार अफसरों ने अब सीएम की सख्त रुख के चलते ही एक ही दिन में 136 बसों की जांच कर डाली।शहर में चार स्थानों पर यह जांच की गई, जिनमें 56 बसों पर जुर्माना भी ठोका गया। किसी 30 सीटर बस में 55 यात्री सवार थे तो कई बसें बिना परमिट और बिना फिटनेस के दौड़ रहीं थीं। ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने 100 बसें जांचीं तो आरटीओ ने 36 बसों को रोका। एक बस जब्त भी की गई।ग्वालियर में विवेकानंद चौराहा, गोला का मंदिर चौराहा और कंपू में बसों की चेकिंग की गई। यात्री और स्कूल बसों की जांच के लिए छह टीमें लगाई गई थीम। डीएसपी अजीत सिंह चौहान, ट्रैफिक प्रभारी हिमांशु तिवारी, अभिषेक रघुवंशी और सोनम पाराशर व इनकी टीम ने जांच शुरू की। पूरे दिन में करीब छह घंटे तक ट्रैफिक पुलिस ने बसों की जांच की।झांसी रोड इलाके में तिवारी ट्रैवल्स की बस रोकी गई, इसमें मवेशियों की तरह यात्रियों को भर रखा था। बस चालक ने पहले तो रोका ही नहीं, पीछा कर बस रुकवाई, इसके बाद यात्रियों को नीचे उतरवाया तो इसमें 55 लोग निकले, जबकि बस की क्षमता 30 यात्रियों की है। बस चालक का चालान बनाया गया। कुछ बसें बिना परमिट दौड़ रही थीं। जो स्कूल बस निर्धारित गति से अधिक गति में दौड़ती पाई गईं, उनपर भी कार्रवाई की गई। एक बस के टायर पूरी तरह घिस चुके थे, बस की हालत भी बहुत

ही जर्जर थी। बस में सवार यात्रियों को उतारकर दूसरी बस में शिफ्ट किया गया।शिवपुरी लिंक रोड पर आरटीओ एचके सिंह ने विभाग के अमले के साथ यात्री बसों की चेकिंग की। कुल 36 बसों को रोका गया, जिनमें दो बसों के बाद फिटनेस नहीं थी, उनपर पांच पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, इसके अलावा कई बसों में कमियां भी पाई गईं। आरटीओ एचके सिंह ने बताया कि बसों को रोजाना जांचा जाएगा, एसएसपी से चर्चा कर ली गई है, पुलिस व परिवहन संयुक्त अभियान चलाएंगे।

कहां कौन जिम्मेदार-परिवहन विभागग्वालियर में परिवहन का मुख्यालय होने के बाद भी मैदानी स्तर पर कितनी कार्रवाई होती है यह सबको पता है। अब हादसा हो गया तो आरटीओ एचके सिंह ने अमले के साथ एक ही दिन में 36 बसों को जांच लिया, पहले से प्रभावी कार्रवाई जारी रहे तो हादसों की नौबत न आए, लेकिन अधिकारी दफ्तरों से निकलते नहीं हैं। मुख्यालय भी ध्यान नहीं देता।

ट्रैफिक पुलिस-शहर के यातायात के साथ यात्री सुरक्षा भी अहम है, लेकिन चालानी कार्रवाई के अलावा पुलिस कुछ नहीं करती है, अब बस हादसा हुआ तो तीन जगहों पर 100 बसें पकड़ डाली, हर रोज अगर छोटे अनुपात में कार्रवाई हो तो सुधार दिख सकता है। डीएसपी ट्रैफिक अजीत चौहान से लेकर ट्रैफिक प्रभारियों को सामान्य दिनों में कोई मतलब नहीं रहता।

बस आपरेटर-कितना भी बड़ा हादसा हो जाए इन्हें फर्क नहीं पड़ता है, बिना परमिट, टैक्स व बीमा के बस यात्री किराया आना चाहिए। इनकी बसों को जब्त करने से लेकर एफआइआर की कार्रवाई न पुलिस करती है न परिवहन विभाग अनुशंसा करता है, इसलिए नियम न मानने वाले आपरेटरों के हौसले बुलंद हैं।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478